@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 6 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 273 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बारिश से 'हाल बेहाल'

यूपी के बिजनौर में हाईवे पर बह रही गंगा नदी | हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड | 300 सड़कें बंद

झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 मौतें

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुईं। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है।

हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें हिमाचल की 160 और उत्तराखंड की 100 से ज्यादा सड़कें शामिल हैं। उत्तराखंड के देहरादून और बागेश्वर में 12वीं तक के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है।

असम में 23 इलाके अब भी बाढ़ से प्रभावित; 27 मौतें

असम के शिवसागर जिले के नजीरा सब-डिवीजन में बाढ़ की स्थिति अब ज्यादातर इलाकों में काबू में है। हालांकि, 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। नापालिकुटी इलाके में बड़े पैमाने पर जमीन का कटाव हुआ है। जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार बारिश और नगालैंड से आए पानी के कारण कई गांव जलमग्न हो गए थे। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब राहत और बहाली का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक 26-27 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4-5 लोग अब भी लापता हैं।

पेपर लीक मामला राष्ट्रीय संकट बन रहा

जरूरत पड़ी तो केंद्रीय गृह मंत्री से करूंगा बात: सीएम हेमंत सोरेन

एजेंसी
रांची । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों के मामले में 24 घंटे के भीतर दूसरी बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं से जुड़ी ऐसी समस्याएं केवल झारखंड का संकट नहीं है, बल्कि अब ये राष्ट्रीय संकट का रूप लेती जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर वह इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री से भी बातचीत करेंगे। राज्य सरकार पूरे मामले पर गंभीरता से नजर रखे हुए है और जांच पूरी होने के बाद ठोस परिणाम सामने लाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोकभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर राज्य की मौजूदा स्थिति और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने कहा कि सरकार के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। जिनकी भी सरकार से कोई मांग है, वे अपनी बात रख सकते हैं। सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी। नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक का मामला अब केवल झारखंड तक सीमित नहीं रह गया है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि छात्रों से जुड़े मामलों की जांच संबंधित एजेंसियां कर रही हैं। सरकार जांच प्रक्रिया पर लगातार नजर बनाए हुए है और ठोस नतीजों तक पहुंचने के लिए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय उन्हें जानकारी मिली है कि देश के कई राज्यों में भी इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन वहां अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल से मुलाकात के दौरान उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला- युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

- भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं, सरकार आक्रामक रवैये से बचे
- सीजेपी प्रदर्शन में हिंसा का मामला

एजेंसी
श्रीनगर । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ

भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

याचिका में 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों यानी सीजेपी प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया।

सरकार बोली- छात्रों पर एफआईआर नहीं होगी, वादा निभाएंगे

संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा मामले पर 3 जुलाई की सुनवाई में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि NEET पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अपने वादे पर कायम है और छात्रों के खिलाफ FIR दर्ज नहीं की जाएगी।

लोकसभा स्पीकर से मिले नीतीश कुमार

- राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज

एजेंसी
पटना । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में ओम बिरला से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से शेयर करते हुए बताया कि संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष से सौहार्दपूर्ण भेंट हुई। हालांकि, मुलाकात के दौरान किन विषयों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। पूर्व सीएम नीतीश कुमार की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब बिहार की राजनीति में हाल के घटनाक्रमों को लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। राजनीतिक जानकार इस मुलाकात को सामान्य शिष्टाचार भेंट मान रहे हैं, वहीं इसके समय को लेकर भी

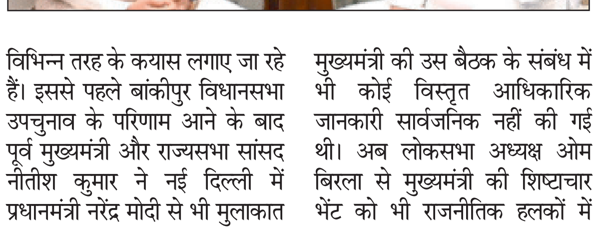

विभिन्न तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इससे पहले बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। उस मुलाकात के बाद बिहार की राजनीतिक परिस्थितियों और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की अटकलें लगाई गई थीं। हालांकि, प्रधानमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री की उस बैठक के संबंध में भी कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। अब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुख्यमंत्री की शिष्टाचार भेंट को भी राजनीतिक हलकों में अहम माना जा रहा है। संसद भवन में हुई इस मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद इसे लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, जदयू की ओर से इसे पूरी तरह औपचारिक और शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि बिहार में हाल ही में संपन्न बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के बाद राज्य की राजनीति में कई तरह की हलचल देखने को मिल रही है। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री की दिल्ली में लगातार हो रही शीर्ष नेतृत्व से मुलाकातों पर राजनीतिक दलों और विश्लेषकों की नजर बनी हुई है। फिलहाल, लोकसभा अध्यक्ष और नीतीश कुमार की इस भेंट को औपचारिक शिष्टाचार मुलाकात के रूप में ही देखा जा रहा है, जबकि राजनीतिक गलियारों में इसके संभावित निहितार्थों को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

'अनुच्छेद 370 हटने से साकार हुआ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना'

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरे होने पर कहा कि इन वर्षों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने जम्मू-

7 साल में बदला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख : पीएम मोदी

कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सात साल पहले इसी दिन (5 अगस्त को) अनुच्छेद 370 और 35( ) इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। तब से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता व खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, उन्हें भारत के संविधान के पूर्ण कार्यान्वयन के कारण सशक्त बनाया गया है। '

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल 5 अगस्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी वर्ष हमारा देश श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी आजीवन प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। दशकों पहले उन्होंने जो सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार

हुआ। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'हम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि हर नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें हासिल करने और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले। '

बता दें कि 5 अगस्त 2019 को संसद ने अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने को मंजूरी दी थी। नोटिफिकेशन जारी करते ही 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग केंद्र शासित प्रदेश में पुनगठित कर दिया गया। तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे 'ऐतिहासिक भूल को ठीक करने वाला ऐतिहासिक कदम' कहा था।

इसके साथ ही, केंद्र सरकार के 170 कानून जो पहले लागू नहीं थे, वे इस क्षेत्र में लागू कर दिए गए। जम्मू-कश्मीर के 334 कानूनों में से 164 कानूनों को निरस्त किया गया, 167 कानूनों को भारतीय संविधान के अनुरूप अनुकूलित किया गया।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे धंसाव पर एनएचएआई का एक्शन

पीएनसी इंफ्राटेक पर गिरी गाज

एजेंसी
लखनऊ। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निर्माण कंपनी, स्वतंत्र अभियंता और परियोजना से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। एनएचएआई ने रियायतग्राही पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को 'नॉन-परफॉर्मर' घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही परियोजना की निगरानी में लापरवाही बरतने वाले कई अधिकारियों को हटाने और भविष्य की परियोजनाओं से प्रतिबंधित करने का फैसला किया गया है।

एनएचएआई के अनुसार, पीएनसी इंफ्राटेक को भविष्य की एनएचएआई परियोजनाओं की निविदाओं में अयोग्य घोषित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उसके खिलाफ अनुबंध की शर्तों के तहत आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल-मई 2027 में आएंगे

आरबीआई गवर्नर बोले- कम मूल्य वाले नोटों से शुरुआत होगी

ये 30 साल तक चलेंगे

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम । पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी MPC की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा- दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। भारत में कागजी नोट, विशेषकर 10रुपये, 20 रुपये और 50रुपये के छोटे नोट, बहुत जल्द गंदे हो जाते हैं या फटने लगते हैं। गवर्नर ने कहा- पॉलीमर नोट आने से इनकी उम्र बढ़ेगी, पानी या नमी से ये खराब नहीं

होंगे और बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च भी कम होगा।

लंबी उम्र: ये नोट पानी, धूल और गंदगी से खराब नहीं होते और आसानी से फटते भी नहीं हैं।

नकली नोटों पर लगाम: पॉलीमर शीट पर एडवांस सिक्योरिटी फीचर्स आसानी से जोड़े जा सकते हैं, जिससे नकली नोट बनाना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

पीएम की पोस्ट हटाने पर जुकरबर्ग ने माफी मांगी

कंपनी ने माना चाइल्ड पोर्न कंटेंट और डीप फेक रोकने में भी नाकाम रहे

एजेंसी
नई दिल्ली । Meta के CEO मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटाए जाने के मामले में भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है।

कंपनी ने यह भी माना कि उसके प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल, डीपफेक और कंटेंट मॉडरेशन से जुड़ी चूक हुई हैं। Meta की ग्लोबल टीम ने कंपनी के ग्लोबल अफेयर्स चीफ जोएल कैपलन के नेतृत्व में केंद्रीय IT मंत्री अश्विनी वैष्णव और IT सचिव एस. कृष्णन से

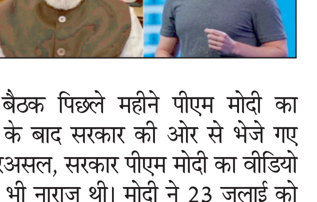

मुलाकात की। यह बैठक पिछले महीने पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटने के बाद सरकार की ओर से भेजे गए समन के बाद हुई। दरअसल, सरकार पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने से भी नाराज थी। मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था। बाद में मेटा ने इसे फिर से फेसबुक पर डाल दिया।

मुझे उन युवाओं पर गर्व है : राहुल गांधी

युवाओं ने कुछ गलत नहीं किया है : राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि मैंने प्रोटेस्ट करने वाले युवाओं से मुलाकात की, जो अलग-अलग राज्यों से हैं। मैं उन युवाओं का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने एजुकेशन सिस्टम और संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। इन्होंने किसी के साथ हिंसा नहीं की, लेकिन फिर भी इन्हें धमकाया जा रहा है, इनका उत्पीड़न हो रहा है। युवाओं का कहना है कि अन्याय चाहे किसी पर भी हो, हमें एक नागरिक के तौर पर उस व्यक्ति की रक्षा करनी चाहिए। मुझे उन सभी युवाओं पर गर्व है, जो अन्याय के खिलाफ खड़े हुए। युवाओं ने कुछ गलत नहीं किया है और उन्हें किसी से माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि हमने कुछ युवा प्रदर्शनकारियों के साथ खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि कैसे उन पर हमला किया गया, उन्हें पीटा गया और धमकाया गया। मुझे उन पर और उनके जैसे हजारों युवा भारतीयों ने जो किया है, उस पर बहुत गर्व है। उन्होंने संविधान की रक्षा की है। उन्होंने भारत के विचार और भारत के भविष्य की रक्षा की है। एक दोषपूर्ण और विफल शिक्षा प्रणाली की शिकायत करना कोई अपराध नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को बदलने और सुधारने की जरूरत है। हम एक बेहतर शिक्षा प्रणाली, परीक्षा के पेपर लीक होने का अंत और अपने देश के युवाओं के लिए एक सुरक्षित भविष्य चाहते हैं। उनके घरों पर गुंडे भेजकर उनकी माफी स्वीकार करना सरासर बकवास है। उन्होंने कहा कि युवा लोग भारतीय प्रेस के सामने खड़े हैं। यह साहस का काम है। ये युवा उत्पीड़न, हिंसा और यातना का सामना कर रहे हैं। मुझे गर्व है कि उनमें अपने मन की बात और अपने अनुभवों को व्यक्त

करने का साहस है। इस देश को इसी तरह की युवा पीढ़ी की आवश्यकता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि छात्रों के खिलाफ हिंसा के लिए भारत के गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। वह न तो संसद में आ रहे हैं और न ही इस घटना पर टिप्पणी कर रहे हैं। दो संभावनाएं हैं, उन्हें हिंसा की जानकारी नहीं थी, जिसका अर्थ है कि वे अक्षम हैं। उन्होंने छात्रों के खिलाफ हिंसा का आदेश दिया, जो उन्हें दोषी बनाता है। दोनों ही मामलों में वे जिम्मेदार हैं। इस बीच एक छात्रा रिया अहीर ने कहा कि मैं वही लड़की हूं जिसने मुंबई में पुलिस की वैन को रोका था, और अब मेरे बारे में कई नैरेटिव चलाए जा रहे हैं। मैंने 20 बच्चों को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में लिए जाने से रोका था। अब मुझे परेशान किया जा रहा है, जो कि एक क्राइम है। मैंने 27 जुलाई को पुलिस में शिकायत की थी, लेकिन आज 5 अगस्त है और अब तक एफआईआर नहीं हुई है। हालांकि, मुझे खुशी है कि मैं जिन युवाओं के लिए खड़ी हुई, आज वे मेरे साथ खड़े हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हमने कुछ युवा प्रदर्शनकारियों के साथ खुलकर बातचीत की।

भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी

एजेंसी
रांची। झारखंड में 14वीं जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल, टीडीपीएल सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं के विरोध में अभ्यर्थियों का आंदोलन बुधवार को भी जारी रहा। परीक्षाओं को रद्द कर पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती प्रणाली लागू करने की मांग को लेकर 29 जुलाई से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहा अनिश्चितकालीन सत्याग्रह लगातार जारी है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। आंदोलन के दौरान छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम परिसर में छात्र दो समूहों में आंदोलनरत रहे।

प्रियंका गांधी ने सरकार से मांगा जवाब, विपक्ष का विरोध जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में जारी विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ, आंसू गैस छोड़ी गई या लाठीचार्ज किया गया, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन जोरशोर से जारी रहा इसी बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और गृह मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग उठाई। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने भी कहा कि विपक्ष का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित हिंसा हुई और इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। विपक्ष ने इन मुद्दों पर सरकार से स्पष्ट जवाब और जवाबदेही तय करने की मांग दोहराई। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने पुलिस कार्यवाही पर जवाबदेही तय करने की बात कही है और जिम्मेदारों को सजा की बात कही है। विपक्ष अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहा है।

बोकारो में तिहरा हत्याकांड: सनकी पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से तीन को काट डाला

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक सनकी पड़ोसी ने पुलिस की कथित मौजूदगी में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या की। यह दिल दहला देने वाली वारदात कुकुरतीलवा गांव में सुबह करीब 8 बजे हुई। मृतकों में जानकी महतो, उनकी पत्नी और उनकी बहू शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी राजू सिंह को गिरफ्तार किया है, जो कि मृत परिवार का पड़ोसी है और सनकी स्वभाव का बताया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राजू ने सबके सामने कुल्हाड़ी से हमला शुरू किया। आरोपी राजू ने सबसे पहले वृद्ध महिला को निशाना बनाया। जब उसके पति बचाने आए, तब उन्हें भी मौत के घाट उतार दिया गया। इसके बाद, जब बहू धान का बिचड़ा लेकर खेत जा रही थी, तब घर के बाहर सड़क पर ही उस पर भी कुल्हाड़ी से वार किए गए। चौंकाने वाली बात यह है कि यह अंतिम हमला कथित तौर पर पुलिसकर्मियों के सामने हुआ। आरोपी राजू सिंह के हिंसक स्वभाव का इतिहास रहा है, हाल ही में अपनी पत्नी को भी पीटकर घायल कर दिया था, जो इस समय अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद शव सड़क पर पड़े रहे और मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

बांग्लादेशी होने के शक में 13 लोग हिरासत में

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिक होने के शक में 13 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, इसमें सात युवक, तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं, जो शहर में अलग-अलग स्थानों पर किराए के मकानों में रह रहे थे। ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया और इन सभी को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा, हिरासत में लिए गए इन लोगों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। नागरिकता की पुष्टि होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हॉर्न विवाद में कांग्रेसी नेता के बेटे पर जानलेवा हमला, दोनों हाथ काटे

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना शहर के रणजीत सिंह पार्क इलाके में हॉर्न बजाने के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। होजरी कारोबारी व कांग्रेसी नेता धर्मिंदर के सुपुत्र करण शर्मा पर 3 युवकों ने तलवार से जानलेवा हमला किया। जिससे उसके दोनों हाथ बुरी तरह कट गए। करण को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। उन्हें जटिल ऑपरेशन के बाद हाथों पर 100 से अधिक टांके लगे। पुलिस को दी शिकायत में शर्मा ने बताया कि उनका बेटा करण अपनी कार से घर लौट रहा था। गली में आरोपी सुखविंदर सिंह अपनी कार बैक कर रहा था, जिस पर करण ने साइड मांगने के लिए हॉर्न बजाया। इसी बात से चिढ़कर सुखविंदर और उसके दो साथियों ने करण के साथ गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर धर्मिंदर और मोहल्ले के कुछ लोग मौके पर पहुंचे। इसी बीच, आरोपी सुखविंदर घर के अंदर से धारदार तलवार लेकर आया और सीधे करण पर जानलेवा वार कर दिया। खुद को बचाने के प्रयास में करण ने जैसे ही अपने हाथ आगे किए, तलवार लगने से उसके दोनों हाथ बुरी तरह जख्मी हो गए। बीच-बचाव करने आए दो अन्य युवकों को भी चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। थाना डिवीजन नंबर 3 की पुलिस ने धर्मिंदर शर्मा के बयानों पर मुख्य आरोपी सुखविंदर और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा स्थगित, अनुच्छेद 370 की वर्षगांठ पर सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के 7 वर्ष पूरे होने के मौके पर जम्मू कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस बीच, वार्षिक अमरनाथ यात्रा को बुधवार को जम्मू स्थित आधार शिविर से स्थगित की गई। हालांकि, प्रशासन ने अमरनाथ यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित करने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखकर एहतियातन उठाया गया कदम बताया है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं के किसी भी नए जत्थे को अनंतनाग और गांदरबल जिलों में स्थित पहलगाम और बालटाल के आधार शिविरों के लिए रवाना नहीं होने दिया गया। अधिकारियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों के काफिलों की आवाजाही भी रोक दी। यह कदम आमतौर पर तब उठाया जाता है जब सुरक्षा एजेंसियां रणनीतिक कारणों से राजमार्ग पर आवाजाही कम करना चाहती हैं। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र ऐसा मार्ग है, जो हर मौसम में खुला रहता है। यात्रा स्थगित करने का यह निर्णय तब हुआ है, जब सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित कई राजनीतिक दल पांच अगस्त को काला दिवस के रूप में मना रहे हैं। यह दिवस केंद्र सरकार द्वारा तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जा पांच अगस्त 2019 को समाप्त करने और राज्य का पुनर्गठन कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले के सात वर्ष पूरे होने पर मनाया जा रहा है।

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर रांची में छात्र आंदोलन तेज

परीक्षा रद्द करने और निष्पक्ष भर्ती की मांग

रांची (एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम छात्र आंदोलन का केंद्र बन गया है। 25 जुलाई से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब लगातार तेज होता जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके समर्थक स्टेडियम में जुटे हैं, जहां धरना, अनशन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी है। आंदोलनकारी परीक्षा रद्द करने, पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने तथा राज्य में नियमित भर्ती के लिए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के माध्यम से हुई 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। उनका कहना है कि जब तक परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत दोबारा आयोजन नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से अधिक रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की जरूरत है। आंदोलन फिलहाल दो अलग-अलग समूहों में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन दोनों की प्रमुख मांगें समान हैं। एक समूह का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र महतो कर रहे हैं, जो भूख हड़ताल पर हैं। वहीं दूसरे समूह में ब्रह्मानंद समेत कई छात्र खुले आसमान के नीचे आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और अब निर्णायक कार्रवाई जरूरी है।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का माहौल बड़े जनआंदोलन जैसा नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से लोग छात्रों को नैतिक समर्थन देने पहुंच रहे हैं। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और छात्र अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच अपराध अनुसंधान विभाग कर रहा है। जांच के दौरान जेपीएससी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पास अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट और प्रवेश पत्र मिलने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी ने कुछ सफल अभ्यर्थियों से भी ओएमआर शीट मांगी है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि आयोग के पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ जारी है और उनका पासपोर्ट भी जब्त किया गया है। आंदोलनकारी छात्र परीक्षा रद्द करने, केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने और भविष्य में समयबद्ध व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग पर अब भी अडिग हैं।

ओणम पर साड़ियों से बनी दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली, बना विश्व रिकॉर्ड

कोच्चि (एजेंसी)। ओणम उत्सव के अवसर पर केरल के कोच्चि स्थित फोरम मॉल में परंपरा और कला का अनूठा संगम देखने को मिला। एक नामी ब्रांड कलेक्शंस द्वारा 2,000 वर्ग फुट क्षेत्र में 2,100 से अधिक सिल्क और कांचीपुरम सिल्क साड़ियों का उपयोग कर दुनिया की सबसे बड़ी साड़ी पूक्कलम (साड़ियों से बनी रंगोली) तैयार करवाई गई। इस अनोखी कलाकृति को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम (यूआरएफ) ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। थोडुपुझा स्थित इस खास ब्रांड के कलेक्शंस के इस आयोजन को प्रसिद्ध कलाकार दा विंची सुरेश और अपनी रचनात्मक टीम के सहयोग से विशेष रचनात्मक रंगोली का निर्माण किया। पारंपरिक फूलों की जगह लगभग 5,000 रंगों और डिजाइनों वाली साड़ियों का इस्तेमाल कर ओणम की सांस्कृतिक विरासत को नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग फोरम मॉल पहुंचे। आयोजकों ने इसे भारतीय परंपरा, वस्त्र कला और रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण बताया।

शेख हसीना के लाइव कार्यक्रम से घबराया बांग्लादेश

-भारत ने कहा- घबराएं नहीं, ये उनका निजी मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर एक नए घटनाक्रम ने ढाका की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि भारत ने दो टूक कहा है कि घबराने की जरुरत नहीं है ये उनका अपना निजी मामला है। भारत में शरण ले रहीं शेख हसीना करीब दो साल बाद पहली बार मीडिया से लाइव संवाद करने जा रही हैं। वह बुधवार को वर्चुअल माध्यम से विदेशी पत्रकार क्लब की प्रेसवार्ता में शामिल होंगी और सीधे सवालों के जवाब देंगी। भारत आने के बाद यह पहला मौका होगा जब वह सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने अपनी बात रखेंगी। इससे पहले वह केवल लिखित बयान जारी करती रही हैं।

अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। उनके आगामी मीडिया कार्यक्रम की घोषणा के बाद बांग्लादेश सरकार ने भारत के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। ढाका ने इस कार्यक्रम को रोकने की अपील भी की, लेकिन भारत ने इसे निजी मामला बताते हुए दूरी बना ली है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने सवाल उठाया कि एक भगोड़े नेता को भारत में राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति कैसे दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंध आगे बढ़ाना चाहते हैं और ऐसी गतिविधियों से प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भारत से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शेख हसीना का मीडिया के सामने आना बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के लिए चुनौती बन सकता है। हसीना अपनी बात रखकर समर्थकों और आम जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं। इसी संभावना को लेकर ढाका में चिंता बढ़ी हुई है। बांग्लादेश की आपत्तियों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि शेख हसीना का मीडिया कार्यक्रम सरकार से जुड़ा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक निजी कार्यक्रम है और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मीडिया सीधे उनसे संपर्क कर रहा है और साक्षात्कार देना या नहीं देना उनका व्यक्तिगत फैसला है। भारत के अनुसार आने वाले समय में शेख हसीना अन्य माध्यमों से भी अपना पक्ष रख सकती हैं। यही बात बांग्लादेश सरकार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार कई बार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। इसके लिए औपचारिक अनुरोध भी किया गया है, लेकिन भारत में अभी तक इस संबंध में कोई कानूनी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। जानकारों के अनुसार भारत का मानना है कि यदि शेख हसीना खुद बांग्लादेश लौटने का फैसला करती हैं तो प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी।

तीन सांसदों ने किया ऐलान कहा- हम नहीं हैं एनडीए के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मंगलवार को संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों की साप्ताहिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्रियों और गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर बने एनसीपीआई समूह के तीन सांसदों की लगातार दूसरी बार अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। इन सांसदों के बैठक में शामिल नहीं होने से उनके राजनीतिक रुख और राजग के साथ संबंधों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। जंगीपुर से खलीलुर रहमान, मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान और बहरामपुर से यूसुफ पठान इससे पहले 21 जुलाई को आयोजित पहली 'मंगल मिलन' बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। अबू ताहेर खान ने स्पष्ट किया कि वे न तो राजग का हिस्सा हैं और न ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के विकास से जुड़ी बैठकों में जरूर हिस्सा लेंगे, लेकिन ऐसे किसी कदम का समर्थन नहीं करेंगे जिसे वे मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ मानते हों। अन्य सांसदों की भी यही राय बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उठ रहे सवालों और भाजपा के साथ कथित नजदीकी को लेकर बन रही धारणा के कारण राजग की बैठकों से दूरी बनाए रखने का फैसला किया है। हालांकि, एनसीपीआई नेतृत्व ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है। इन तीन सांसदों की अनुपस्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि लोकसभा में 20 सदस्यीय एनसीपीआई समूह को आधिकारिक मान्यता मिलने का मामला अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित है। दल-बदल विरोधी कानून के तहत इस समूह को संरक्षण तभी मिलेगा, जब उसे तृणमूल कांग्रेस के मूल लोकसभा सांसदों में से आवश्यक दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त होगा।

बैठक में पहली बार एनसीपीआई के सदन के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और किसी प्रकार के मतभेद की बात सही नहीं है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने खेल क्षेत्र में सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के बेहतर प्रदर्शन का उल्लेख किया। वहीं रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसरों पर भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने दावा किया कि वर्ष 2014 के बाद रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और सरकार ने युवाओं के लिए कई नई पहल की हैं। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई केंद्रीय मंत्री और राजग के सहयोगी दलों के नेता भी उपस्थित रहे।

विधानसभा में विपक्ष उठाने वाला था किसानों का मुद्दा इसलिए मुझे गिरफ्तार किया?

-डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने रिहाई के बाद अब दी अपनी प्रतिक्रिया

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके विधायक और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को आखिरकार 90 मिनट की पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। रिहाई के बाद अब स्टालिन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप भी लगाया। राज्य के विपक्ष के नेता और डीएमके नेता उदयनिधि ने कहा कि विरोध प्रदर्शन और मेरे भाषण पर किसान समुदाय से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इससे किसानों के बीच समर्थन की लहर पैदा हुई है। जब सरकार को एहसास हुआ कि यह मुद्दा जोर पकड़ रहा है तो अगले दिन विधानसभा सत्र होने वाला था। इसमें विपक्ष इन मुद्दों को उठाने वाला था। सरकार ने ध्यान भटकाने और बहस को दबाने की कोशिश की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदयनिधि ने कहा कि बुधवार सुबह उन्होंने मेरे भाषण का एक कट-एंड-पेस्ट वर्जन फैलाया और झूठा दावा किया कि मैंने ऐसी बातें कहीं जो मैंने कभी नहीं कही थीं। उन्होंने कहा कि इस एडिटेड वर्जन को नेशनल मीडिया आउटलेट्स के साथ भी शेयर किया गया। उन्हीं झूठे आरोपों के आधार पर पुलिस मुझे गिरफ्तार करने आई। मैंने पुलिस का पूरा सहयोग किया। बिना किसी विरोध के उनके साथ चला गया। गिरफ्तारी के समय भी मैंने पत्रकारों से कहा कि मैं इस पूरी घटना को बेतुका मानता हूं।

उन्होंने कहा कि वे मुझे उन बातों के लिए गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे थे, जो मैंने कभी की ही नहीं। वे मुझे चुप कराने और डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं डरूंगा नहीं। उन्होंने कहा कि मैं कलैगनार एम करुणानिधि का पोता, एम के स्टालिन का बेटा और डीएमके का सदस्य हूं। हम ऐसी कार्रवाइयों से डरते नहीं हैं। मैं इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैंने आज यही बात कही। बता दें पूरा मामला कावेरी जल विवाद को लेकर है। यहां तंजावुर में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने सीएम विजय पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु को कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिलता। वहीं सीएम इस पूरे मुद्दे पर बेपरवाह बने हुए हैं। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने तृषा-तृषा के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर उदयनिधि कुछ ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसके बाद दोहरे मतलब निकाले जाने लगे। स्टालिन की इस टिप्पणी को दोहरे अर्थ वाली आपत्तिजनक करार दिया गया1 इसके बाद पूरा मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया।

मंगलवार सुबह पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही, सीएम ने किया अलर्ट

देहरादून में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बुधवार तड़के से जारी मूसलाधार बारिश ने पूरे प्रदेश में जनजीवन प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के कारण कई जिलों में नदियां और बरसाती गधेरे उफान पर हैं, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। देहरादून में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के सभी सरकारी, निजी और गैर सरकारी स्कूलों के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

मौसम विभाग ने देहरादून समेत कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली चमकने और तेज बारिश के दौर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों और बरसाती गधेरों के किनारे जाने से बचने तथा अनावश्यक यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

बारिश के चलते प्रदेश के कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील स्थानों पर राहत और बचाव दलों को तैयार रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए सचिव आपदा प्रबंधन को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सभी जिला प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पर्यटकों से मौसम की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग अनावश्यक यात्रा से बचें और बेहद जरूरी होने पर ही सफर करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम विभाग के अलर्ट और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आगे भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे आधिकारिक सूचनाओं पर ध्यान दें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें।

सीजेपी नेता सौरव दास को आपराधिक अवमानना मामले में कोर्ट ने भेजा नोटिस

-चार हफ्तों में मांगा जवाब, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिटाने का भी है आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से जुड़े आपराधिक अवमानना केस में घिरते नजर आ रहे हैं। उन्हें आपराधिक अवमानना के मामले में जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया गया है, उनपर इस मामले से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिटाने का भी आरोप है। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच ने महिला जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से जुड़े एक आपराधिक अवमानना के मामले में सौरव दास से चार हफ्तों में जवाब मांगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय को भी नोटिस जारी किया है। सौरव दास और गोपाल राय पर आरोप है कि वो जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पर चली सोची-समझी मुहिम का हिस्सा थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह से भी उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक अवमानना मामले में चार हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। इन सब पर आरोप है कि इन्होंने जस्टिस शर्मा को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाया।

इस मामले में केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट से गुहार लगाई कि उन्हें अभी तक वह सामग्री नहीं मिली है, जिसके आधार पर अवमाना मामले पर कार्रवाई शुरू हुई है। इसी तरह की दलीलें अन्य पार्टियों के वकीलों की ओर से भी दी गई। इसपर कोर्ट ने रजिस्ट्री से सभी को सामग्री उपलब्ध करवाने को कहते हुए, उनसे चार हफ्तों में जवाब देने को कहा है।

मदरसों में वंदे मातरम् विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने वंदे मातरम् गाने की अनिवार्यता से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या जाति, धर्म या पंथ से परे सभी लोगों के लिए वंदे मातरम् गाना अनिवार्य किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की गई है। तब तक केंद्र सरकार को अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखना होगा। फिलहाल हाई कोर्ट ने किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार किया है।

यह विवाद राज्य मदरसा विभाग की उस अधिसूचना के बाद सामने आया, जिसमें राज्य के मदरसों में भी सुबह की प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्'गाना अनिवार्य करने की बात कही गई थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वंदे मातरम् का गायन पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए और किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। याचिका में तर्क दिया गया कि ऐसी अनिवार्यता देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धांतों के विपरीत हो सकती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस आदेश से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं और बिना केंद्र सरकार का पक्ष जाने अंतरिम राहत कैसे दी जा सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आग्रह किया गया कि अंतिम फैसला आने तक इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाए, लेकिन अदालत ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हालांकि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि आदेश के पालन को लेकर किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई होती है तो संबंधित पक्ष अदालत का रुख कर सकता है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि देश के अनेक ईसाई शिक्षण संस्थानों में भी प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह मुद्दा सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है तथा किसी भी व्यक्ति पर राष्ट्रगीत गाने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि यह जनहित याचिका नहीं, बल्कि प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर की गई याचिका है। उनका कहना था कि सरकार का उद्देश्य केवल 'वंदे मातरम्'को लोकप्रिय बनाना है, न कि किसी व्यक्ति को इसे गाने के लिए बाध्य करना। उन्होंने अदालत से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। वहीं, सुनवाई के दौरान कुछ अन्य अधिवक्ताओं ने भी इस मुद्दे को धर्मनिरपेक्षता, संवैधानिक अधिकारों और संसद में पहले हो चुकी बहस से जुड़ा बताते हुए अपने-अपने तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब सभी की नजर 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है, जब केंद्र सरकार अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करेगी।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी शिवम उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिछू, सुमित उर्फ सिंघू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

अब मोबाइल पर 66 साल पुराने नाटकों का मंचन...आकाश एप तैयार

नई दिल्ली। यदि आप नाटकों के शौकीन हैं और खासकर पुराने नाटक जिन्हें आप देख नहीं सकते हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीनस्थ, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) नाटकों को रेडियो पर सुनाने की तैयारी कर रहा है। दुनिया में किसी भी जगह बैठकर हिंदी और क्षेत्रीय भाषा के दर्शक या श्रोता अपने मोबाइल पर बैठकर एनएसडी के 66 साल के नाटकों को सुन पाएंगे। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, 66 साल पुराने नाटकों का ऑडियो संकलन का काम जारी है। इसके लिए एनएसडी ने आकाश नाम से एप तैयार किया है। इसके माध्यम से रंगप्रेमी पुराने नाटकों की ध्वनी सुन सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए गूगल स्टोर पर जाकर आकाश एप को डाउनलोड करना पड़ेगा। इसी एप पर सभी नाटकों की ध्वनि को किया जाएगा। इसके बाद, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा दर्शक नाटक को सुन सकेगा। एनएसडी के डायरेक्टर चित्तरंजन त्रिपाठी ने बताया, भारत रंग महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन 27 जनवरी से 20 फरवरी तक होगा। दिल्ली के अलावा देश के 40 शहरों में नाटक मंचित होंगे। इसमें हर महाद्वीप से एक देश को शामिल किया गया है। इस बार के भारत रंग महोत्सव में 136 भारतीय और 12 विदेशी नाटक, जिनमें 228 भाषाओं और बोलियों में 277 प्रस्तुतियों शामिल हैं। इसमें महिला निर्देशकों द्वारा 33 प्रस्तुतियों के अलावा, 19 विश्वविद्यालय और 14 स्थानीय प्रस्तुतियां भी शामिल हैं। एनएसडी के उपाध्यक्ष प्रोफेसर भरत गुप्त ने बताया, जम्मू-कश्मीर स्थित लेह-लद्दाख में माइनस डिग्री में दर्शकों को नाटकों की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के मंडी, हरियाणा के रोहतक,लेह लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन और दीव, मिजोरम के आइजोल, मेघालय में तुरा, असम के नगांव में नाटक मंचित होंगे। महोत्सव में मैथिली, भोजपुरी, तुलु, उर्दू, संस्कृत, ताई खामती और न्यिशी भाषाओं को शामिल किया गया है। इसमें करीब, सभी प्रमुख भारतीय और कई आदिवासी और लुप्तप्राय भाषाओं को भी शामिल किया है।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्शा, ई-रिक्शा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्शा चोरी की कई घटनाएं हुई थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिंकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जस्सीपुरा कोतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिंकू ई-रिक्शा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्शों को स्क्रैप बनाने व अनस ई-रिक्शों की बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिंकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्शा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्शा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

न्यू उस्मानपुर में मकान की छत गिरी, मलबे में दबकर दंपती की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में रविवार की रात करीब 10.30 बजे एक मकान की छत गिरने से किराये पर रह रहे दंपती की मौत हो गई। वहीं घर के बाहर खेलते रहने की वजह से नौ साल का बेटा बाल बाल बच गया। मृतकों की शिनाख्त 32 साल के टिंकू और उसकी पत्नी 30 साल की उर्मिला के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे दंपती को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि दो अगस्त की रात जेपी नगर की गली नंबर-2 में एक मकान की छत गिरने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक मंजिला मकान की छत भरभराकर गिर गई थी और मलबे में दबे हुए किरायेदार टिंकू और उनकी पत्नी उर्मिला को निकालकर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गए हैं। जहां पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। टिंकू शिकोहाबाद यूपी का रहने वाला था और 15 साल से दिल्ली में रहकर हलवाई की दुकान में काम करता था। शुरुआती जांच में पता चला कि करीब 120 वर्ग फुट क्षेत्रफल में एक भूतल पर बने मकान में छह कमरे बने हुए हैं। कमरे का छत गार्टर और पटिया का था।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि उसका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और स्प्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुब्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुब्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है।

युवक के खिलाफ फिलहाल कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं है।

NAME CHANGE
I, SERU S/O MANOJ KUMAR R/O H.NO-10500 GALI NO-4 BAGICHI ALAUDDIN MOTI KHAN PAHAR GANJ CENTRAL DELHI 110055, CHANGED MY NAME TO SERU KUMAR.

NAME CHANGE
I, MUTHU LAKSHMI wife of No.-15731487Y, Rank-HAV (OP CIPH), Name-ESAKKI R residing at H NO-7/82, SOUTH STREET, MELAS-RIYANTHUR, CHERAKULAM, THOOTHUKKUDI, TAMIL NADU-628622, have changed my name from MUTHU LAKSHMI to MUTHU-LAKSHMI P for all future purposes vide Affidavit dated 05/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Gandhali Ajay Deshpande D/o Ajay Mahadeo Deshpande R/o CW-27 SF, Malibu Town, Sector-47, Gurgaon, Haryana-122018, have changed my name to Vaishnavi Ajay Deshpande for all future purpose

NAME CHANGE
I, DINESH GOYAL S/o Suresh Chand Goyal R/o Ward No.11, Near Saty Narayan Mandir , Hathin, Palwal, Haryana-121103, have changed my name DINESH KUMAR GOYAL permanently

NAME CHANGE
I, Haripal Sain S/o Nanak Ram R/o Near Chopal, Chandanwas(251), Rewari - 123035, Haryana have changed my name from Haripal Sain to Haripal for all intents and Purposes.

Name and Date of Birth Change
I SHALAN legally mother of Army no -2810545Y, Rank - SEP, Name - GHADGE SANJAY DHONDI-RAM, Presently Residing At - HATID, Post- HATID, Teh - SAN-GOLA Dist - SOLAPUR, State-MAHARASHTRA Pin - 413307 have changed my name from SHA-LAN to SHALAN DHONDIRAM GHADGE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 02/03/1972 instead of my correct date of birth as 01/06/1966 vide Affidavit dated 05/08/2026 before Notary Public, Delhi.

Name and Date of Birth Change
I DHONDIRAM legally mother of Army no -2810545Y, Rank - SEP, Name - GHADGE SANJAY DHONDIRAM, Presently Residing At - HATID, Post- HATID, Teh - SANGOLA Dist - SOLAPUR, State-MAHARASHTRA Pin - 413307 have changed my name from DHONDI-RAM to DHONDIRAM SHANKAR GHADGE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/06/1957 vide Affidavit dated 05/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Pramod S/o Ramdas Verma R/o House No. 171, Suhana, Nagla Akhu, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed the name of my minor son Manyak Varma aged 14 years and he shall hereafter be known as Mayank Verma.

NAME CHANGE
I WAHID ALI S/0 KAZIM ALI R/0 A - 68 NEW A -566 GALI NO 4 CHAUHAN BANGER NEW SEE-LAMPUR DELHI 110053 CHANGED MY NAME TO ABDUL WAHID ALI

NAME CHANGE
I MAMTA RANI W/0 HARISH R/0 1301 TYPE 2 DELHI ADMIN FLAT GULABI BAGH MALKA GANJ DELHI 110007 CHANGED MY NAME TO MAMTA

NAME CHANGE
I, hitherto known as Abhishek Sharma S/O Yuvraj R/O Chhajupur, Jalalpur, VTC: Chhajjupur, PO: Jalalpur, District: Aligarh Uttar Pradesh, 202137, have changed my name and shall hereafter be known as BHUPENDRA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Suman Gupta alias Suman Lata D/O Murari Lal Gandhi W/O Satish Kumar R/O1239, bake bihari, farash khana, VTC: Delhi G.P.O., District: North Delhi, State: Delhi, 110006 , have changed my name and shall here-after be known as SUMAN GUPTA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Deepti Kalra alias Deepti Batra D/O M K kalra W/O Vaibhav Batra, R/O E-267,, ASTHAKUNJ, 18 ROHINI, Rohini Sector-14, North West Delhi, Delhi 110085, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPTI BATRA

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. SATISH CHANDER, MR. SAHIL & MRS. SUNITA SHARMA ARE OWNERS AND IN POSSESSION OF "PROPERTY NO. A-312, FIRST FLOOR, ADMEASURING 288.5 SQ. FT., SITUATED AT DOUBLE STOREY, KALKAJI, NEW DELHI" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF MR. RANA PRATAP CHHIB-BER AND MR. VIJAY KUMAR CHIBBER AS PER REGD. WILL DATED 09.06.2004 EXECUTED BY MR. RANA PRATAP CHHIB-BER IN FAVOUR OF MR. SATISH CHANDER, MR. VIJAY KUMAR, MR. SAHIL & MRS. SUNITA SHARMA IN RESPECT OF PROP-ERTY NOW MR. DAVINDER SINGH IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY FROM OWNERS / SELLERS MR. SATISH CHANDER, MR. SAHIL & MRS. SUNITA SHARMA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUS-ING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELE-VANT DOCUMENTS TO UNDER-SIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAH-DARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

NAME CHANGE
I, SUSHEELA CHOUDHARY mother of JC-777430W, Rank-SUB Name-PRADEEP CHOUDHARY residing at VPO-BINJHAWARA, TEHSIL & DIST-SEONI, MADHYA PRADESH-480661 have changed my name from SUSHEELA CHOUDHARY to SUSHILA CHOUDHARY for all future purposes vide Affidavit dated 04/08/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHEELA, wife of IC-32185-A, Rank-LT COL (Retd.), Name-RAJ KUMAR, resident at M-405, SISPAL VIHAR, SECTOR-49, GURU-GRAM, HARYANA-122018, declare that, in my husband's army records, my name is wrongly mentioned as SHEELA. My correct name is to be rectified as SHEELA SHARMA for all future purposes, vide affidavit dated 05/08/2026, before Executive Magistrate, Gurugram.

NAME CHANGE
I, AKASH TYAGI S/O Sh. Karamveer Tyagi, R/o House No. 135, Asouda, Asouda, Hapur, Hapur, Uttar Pradesh 245101, have changed the name of my minor Son of BHARAT aged 17 years and he shall hereafter be known as BHARATVEER NARAYAN SINGH TYAGI.

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed to the general public that our client, Mr. Deepak Garg, S/o Mr. Krishan Kumar, is the absolute owner and in lawful possession of Freehold Residential Plot No. 45, measuring 65 Sq. Yards, out of the total land area measuring 100 Sq. Yards, forming part of Khasra Nos. 8/16 & 25, situated in the area of Village Matiala, Colony known as Jain Park, New Delhi-110059, by virtue of a Notarized General Power of Attorney, Agreement to Sell and Will, all dated 30.04.2003. Our client hereby declares that, except as stated herein, no other person has any right, title, interest, claim, lien, charge, or encumbrance whatsoever in respect of the aforesaid property. It is further declared that the built-up Ground Floor, without roof rights, of the above-mentioned property to be Purchased Mrs. Udita Malhotra, W/o Mr. Rahul Malhotra. and to be mortgaged, Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Uttam Nagar Branch, New Delhi. Accordingly, any person having any objection, claim, right, title, interest, or demand of any nature whatsoever in respect of the aforesaid property is called upon to intimate the same in writing, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claim exists, and any such claim, if raised thereafter, shall be deemed to have been waived and abandoned.
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Kamal Kumar Kaim S/O Jagan Singh R/O T265c/7b Chirag Delhi Malviya Nagar 110017,Chirag Delhi, South Delhi 110017 Have Changed My Name to Kamal Kaim for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I AQEELA W/O ABDUL KHALEEQ R/O R-5/56/2 NEAR NOORI MASJID MOHAN GAR-DEN UTTAM DELHI-110059 have changed my name to AQEELA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KALWA S/O KALE KHAN R/o 173, HAUZ RANI, MALVIYA NAGAR, DELHI-110017 have changed my name and shall hereafter be known as KALEEM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I DIVJYOT SINGH S/0 HARMIN-DER SINGH ANAND R/0 WZ-223 T.F STREET NO 13 SHIV NAGAR JANAKPURI, JANAKPURI B-1, WEST DELHI, 110058, DELHI, INDIA CHANGE IN MY NAME TO DIVJYOT SINGH ANAND

NAME CHANGE
I HARSIMRAN SINGH S/0 HAR-MINDER SINGH ANAND R/0 WZ-223 T.F STREET NO 13 SHIV NAGAR JANAKPURI, JANAKPURI B-1, WEST DELHI, 110058, DELHI, INDIA CHANGE IN MY NAME TO HARSIMRAN SINGH ANAND

NAME CHANGE
I PRITI DEVI W/O JITENDER TANWAR R/0 4 CIVIL LINE BEHIND DC RESID- ANCE PALW-AL HARYANA CHANGED MY NAME TO PRITI

NAME CHANGE
I SONIA EKTA BHALLA W/O KAR-TIK DEWAN R/O E- 213, 2ND FLOOR NARAINA VIHAR NEW DELHI 110028 have changed my name to SONIA DEWAN Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, Nitin, S/O Ramesh, R/O J-136, Phase-I, Vijay Vihar, Rohini, Sector-7, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name to Nitin Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ramesh Kumar, S/O Prakash, R/O J-136, Phase-I, Vijay Vihar, Rohini, Sector-7, North West Delhi, Delhi-110085 have changed my name to Ramesh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SURYAWANSHI SHALUBAI, is legally mother of Army No. 2810329L, Rank - HAV, Name - SURYAWANSHI DHANANJAY PRABHU, presently residing at Vill - Arajkheda, Post - Borgaon, Teh - Renapur, Dist - Latur, State - Maharashtra, Pin - 413527, have changed my name from SURYAWAN-SHI SHALUBAI to SHALUBAI PRAB-HU SURYAWANSHI for all future purposes. Vide affidavit dated 05/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, GAIKWAD LAXMAN KALURAM, is legally father of Army No. 2819615N, Rank - NK, Name - GAIKWAD SAHIL LAXMAN, presently residing at Vill - Supe Kh, Post - Supe Kh, Teh - Purandhar, Dist - Pune, State - Maharashtra, Pin - 412301, have changed my name from GAIKWAD LAXMAN KALURAM to LAXMAN KALURAM GAIKWAD for all future purposes. Vide affidavit dated 05/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYSHRI, is legally mother of Army No. 2819615N, Rank - NK, Name - GAIKWAD SAHIL LAX-MAN, presently residing at Vill - Supe Kh, Post - Supe Kh, Teh - Purandhar, Dist - Pune, State - Maharashtra, Pin - 412301, have changed my name from JAYSHRI to JAYASHREE LAXMAN GAIK-WAD for all future purposes. Vide affidavit dated 05/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I Sheela W/o Mohinder Singh R/o House No. 966, Sector 31, Gurgaon 122001 have changed my name to Sheela Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Reshma Khan W/O Asif Siddaqi B-923 Block-B Jahangirpuri Jahangir Puri A Block N.S. Mandi North West Delhi Delhi-110033 have changed my name from Reshma to Reshma Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shahjahan, S/O Sakur Mohd, R/O D-32/34, Kh No- 840 Hari Enclave, Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Block, Delhi- 110086 have changed my name to Md Shah Jahan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KM Shakuntala Kumari, W/O Sharukh Khan, R/O 249, Near Rohini Sector-23, Gram Sector, Pooth Kalan, North West Delhi, Delhi- 110086 have changed my name to Shakuntala for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रूपा देवी एवं श्री विशाल निम्नलिखित संपत्ति क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं, आवासीय प्लॉट संख्या H-260, ब्लॉक-H, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 298 में से, स्थित ब्लॉक-H, राम पार्क एक्सटेंशन, ग्राम इलाइचीपुर, परगना एवं तहसील लोनी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, उक्त संपत्ति का विक्रय श्री रमेश सिंह द्वारा किया जा रहा है, जो दिनांक 15.04.2026 की पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (हस्ताक्षर प्राधिकारी) के आधार पर विक्रय करने के लिए अधिकृत हैं। उक्त जी.पी.ए. श्रीमती वंदना बिष्ट पुत्री श्री खेम सिंह द्वारा अपने सगे भाई श्री रमेश सिंह के पक्ष में निष्पादित की गई थी, स्वर्गीय श्रीमती बचुली देवी के निधन के उपरांत उनके पुत्र श्री रमेश सिंह एवं पुत्री श्रीमती वंदना बिष्ट उक्त संपत्ति के स्वामी बने, संपत्ति के शीर्षक दस्तावेजों की श्रृंखला में एम/एस दुर्गा बिल्डर्स प्रा. लि. द्वारा दिनांक 16.12.1987 को श्रीमती बचुली देवी पत्नी श्री खेम सिंह रावत के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) का मूल पंजीकरण पृष्ठ गुम हो गया है। इस संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. एल.आर. संख्या 511873/2026 के माध्यम से पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, मॉर्गेज तथा अन्य किसी भी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा श्री रमेश सिंह एवं श्रीमती वंदना बिष्ट के पास है, उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा: ह-17, द्वितीय तल, विजया बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (Finance) किया जाना प्रस्तावित है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल:
kumarw®wvashwani@gmail.com

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती ज्योति सिंघल, संपत्ति संख्या ए-1/112 के भाग, संपूर्ण तहखाने की स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल 468 वर्ग गज है, जो सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है, विक्रय विलेख दिनांक 04.10.2024 के अनुसार मेसर्स एमिनेंट इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्रीमती ज्योति सिंघल के पक्ष में उक्त तल के संबंध में निष्पादित किया गया था। दस्तावेज़ संख्या 2024/8/1/5883, खंड संख्या 3205, पृष्ठ संख्या 99-134, एसआरओ VIIA कि (1) मूल विक्रय विलेख दिनांक 06.05.2002 श्रीमती रूपिंदर बेदी और श्री टिक्का बी.एस. बेदी द्वारा उनके अटॉर्नी श्री अजय कोचर के माध्यम से डॉ. (श्रीमती) इंदु अरोरा पत्नी के पक्ष में निष्पादित किया गया। दस्तावेज़ संख्या 2183, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 649, पृष्ठ 151 से 159 तक। (2) मूल विक्रय विलेख दिनांक 20.05.2009 डॉ. (श्रीमती) इंदु अरोरा द्वारा (1) डॉ. राजीव अरोरा और (2) श्री रीवा सूद के पक्ष में बेसमेंट के उत्तरी आधे भाग के संबंध में निष्पादित, दस्तावेज़ संख्या 3622, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4815, (3) मूल विक्रय विलेख दिनांक 20.04.2009, मेसर्स रियल वैल्यू डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्रीमती रीवा सूद पत्नी डॉ. राजीव सूद के पक्ष में बेसमेंट के दक्षिणी आधे भाग के संबंध में निष्पादित, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग फुट है। दस्तावेज़ सं. 2781, पुस्तक सं. 1, खंड सं. 4786 पृष्ठ 187 से 196 तक। (4) मूल विक्रय विलेख दिनांक 24.07.2012, श्रीमती रीवा सूद द्वारा मेसर्स एमिनेंट इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड बेसमेंट के दक्षिणी भाग के संबंध में निष्पादित, जिसका क्षेत्रफल 1100 वर्ग फुट है, दस्तावेज़ सं. 8360, पुस्तक सं. 1, खंड सं. 6616 पृष्ठ 108 से 123 तक एसआर-IX। (5) मूल विक्रय विलेख दिनांक 29.01.2013 (1) डॉ. राजीव सूद और (2) श्रीमती रीवा सूद द्वारा मेसर्स एमिनेंट इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में बेसमेंट के उत्तरी आधे भाग के संबंध में निष्पादित, जिसका क्षेत्रफल 1100 वर्ग फुट है, दस्तावेज़। क्रमांक 785, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 6934, पृष्ठ 117 से 133, एसआर-IX, नई दिल्ली, 31/01/2023 को गुम हो गई थी, जिसकी सूचना पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच, दिल्ली को एलआर क्रमांक 112258/2023 के तहत दिनांक 03.02.2023 को दी गई थी। यदि किसी को यह संपत्ति मिले तो कृपया इसे अधोहस्ताक्षरी को लौटा दें और इसके दुरुपयोग का जोखिम स्वयं ग्राहक का होगा। मेरी मुवक्किल अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहती है। यदि किसी को इस गिरवी पर कोई आपत्ति हो या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित हो तो कृपया 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 5/8/2026
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के सभी सरकारी कार्यालयों में लागू होगी ई-ऑफिस प्रणाली

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, प्राधिकरणों, जिला एवं अधीनस्थ कार्यालयों में तुरंत प्रभाव से ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए हैं। अब सभी सरकारी फाइलों एवं आधिकारिक पत्राचार का निपटान और आवागमन केवल ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने मंगलवार को इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, बोर्डों एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों, मुख्य प्रशासकों तथा विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार ई-ऑफिस, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित एक प्रमुख ई-गवर्नेंस प्रणाली है, जिसका उद्देश्य सरकारी कार्यप्रणाली को पेपरलेस, पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाना है। हरियाणा में यह प्रणाली वर्ष 2017 से चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है, जिससे फाइलों के निपटान में तेजी, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार तथा पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिला है। मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों एवं संबंधित अधिकारियों को अपने अधीन कार्यालयों में ई-ऑफिस का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, आवश्यक यूजर आईडी, डिजिटल सिग्नेचर, कर्मचारियों के प्रशिक्षण तथा सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा में तीनों प्रदेश महामंत्रियों को मिला जिलों का दायित्व

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के बाद संगठन को और अधिक सक्रिय, गतिशील एवं प्रभावी बनाने की दिशा में प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारियों का वितरण कर दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने नवनियुक्त तीनों प्रदेश महामंत्रियों के बीच जिलावार संगठनात्मक दायित्वों का विभाजन किया है। प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार तीनों महामंत्री अपने-अपने निर्धारित जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय, कार्यकर्ताओं से संवाद तथा पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रदेश महामंत्री सत्य प्रकाश जरावता को पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, पानीपत, सोनीपत और गोहाना जिलों का संगठनात्मक दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार प्रदेश महामंत्री गोपाल शर्मा को डबवाली, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, हांसी, भिवानी, दादरी और महेंद्रगढ़ जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रदेश महामंत्री वेद फुलाँ फरीदाबाद, फरीदाबाद महानगर, पलवल, गुरुग्राम, गुरुग्राम महानगर, रेवाड़ी, झज्जर और रोहतक जिलों का संगठनात्मक कार्यभार संभालेंगे।

संत रविदास जी के समरसता संदेश को घर-घर पहुंचाएंगें: डा. अर्चना गुप्ता

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती को सामाजिक समरसता, समानता और सद्भाव के व्यापक संदेश के रूप में प्रदेश के हर घर और जन-जन तक पहुंचाएगी। जेन-जी यानी युवा पीढ़ी के बीच भारतीय संस्कृति में निहित शिष्टाचार, सभ्यता, मर्यादा और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए विशेष जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। इन कार्यक्रमों को लेकर गुरुग्राम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय गुरु कमल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा की उपस्थिति में प्रदेश पदाधिकारियों, सभी जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों तथा एससी मोर्चा के सभी जिलाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा, सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा युवाओं के बीच सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

फरीदाबाद में युवक ने शिक्षिका पर किए चाकू से ताबड़तोड़ वार, दो घंटे में हत्यारोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां पर शख्स ने 29 वर्षीय शिक्षिका की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। यह शख्स पिछले कई दिनों से महिला का पीछा कर रहा था। आरोपी ने अपने सिर, चेहरे और कंधे को पूरी तरह से ढक रखा था, ताकि उसे कोई पहचान नहीं सके। हालांकि, इस घटना के कुछ ही घंटों के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अमित के रूप में हुई है। दरअसल संध्या सिक्रोना गांव में स्थित एक निजी स्कूल में बतौर शिक्षिका कार्यरत थी। स्कूल के पास एक पुलिस स्टेशन भी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी बुधवार को स्कूल पहुंचा था और शिक्षिका से बात करने का आग्रह किया था। वहीं, संध्या को जैसे ही बताया गया कि उससे कोई मिलने पहुंचा है, तो वो बाहर आई। इसके बाद आरोपी ने शिक्षिका पर चाकू से ताबड़तोड़ कई हमले किए। यह हमले उसके चेहरे, गर्दन और छाती पर किए गए। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में यह साफ दिख रहा है कि कैसे आरोपी स्कूल परिसर में दाखिल होकर संध्या का इंतजार करता है। आरोपी ने किसी सफेद कपड़े से अपना सिर, चेहरा और कंधा पूरी तरह से ढक रखा है। आरोपी को जैसे ही संध्या दिखती है, तो वो उसे बाहर आने का इशारा करता है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी संध्या पर चाकू से हमला करने से पहले उसे बाहर की ओर खींचता है।

पंजाब में भर्ती परीक्षाओं और पेपर लीक पर जवाब दे कांग्रेस–आआपा : नायब सैनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संपूर्ण जीवन देश के हर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है: सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) पर युवाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों की अनदेखी कर केवल वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को पंजाब में भर्ती परीक्षाओं और पेपर लीक के मामलों पर जवाब देना चाहिए। हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति की।

जिस चरणजीत सिंह चन्नी ने पंजाब कांग्रेस का कठिन परिस्थितियों में साथ दिया, आज उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। एक तरह से कांग्रेस ने दलितों और वंचितों का अपमान करने का काम किया है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने नीट पेपर मामले पर केंद्र सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने हमेशा युवाओं को गुमराह करने का काम किया है। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संपूर्ण जीवन देश के हर वर्ग के कल्याण के

लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री देश की सेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

पेपर लीक जैसे मामलों पर केंद्र सरकार ने कड़े कानून बनाए, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की और भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक मामले को प्रधानमंत्री मोदी ने अत्यंत गंभीरता से लिया और स्पष्ट संदेश दिया कि देश के किसी भी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब विधानसभा में पेपर लीक पर पास किए गए निंदा प्रस्ताव संबंधित एक सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा कि क्या पंजाब सरकार ने अपने प्रदेश में फार्मेसी के पेपर लीक को लेकर भी कोई निंदा प्रस्ताव पास किया है? उन्होंने पंजाब का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हाल ही में भर्ती परीक्षा के परिणाम में जिस प्रकार के नाम वाले उम्मीदवार पास हुए हैं, वो वहां के युवाओं के साथ होने वाले धोखे को स्वयं बयां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को जवाब देना चाहिए। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया ने कहा था कि यदि पंजाब में पेपर लीक होगा तो शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिया जाएगा। अब ऐसी घटनाओं पर उनकी चुप्पी बताती है कि उनके कथनी और करनी में कितना अंतर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पहले यह बताना चाहिए कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में युवाओं के लिए क्या किया।

हरियाणा में 9 अगस्त से 17 अगस्त तक होगा तिरंगा यात्रा का आयोजन

हरियाणा में इसका राज्य स्तरीय समारोह गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि हर साल की तरह इस बार भी 9 अगस्त से 17 अगस्त तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की थी। आज यह अभियान देश का बड़ा जन आंदोलन बन चुका है।

चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि इस बार हर घर तिरंगा अभियान को वंदे मातरम को समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् को साथ लेकर चलना नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ने का बड़ा अवसर है। यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का राष्ट्रीय उत्सव है। तिरंगा अभियान के तहत स्कूलों और कॉलेजों में तिरंगे तथा वंदे मातरम के इतिहास से जुड़ी प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। शिक्षण संस्थानों में निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के साथ स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े

कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 9 अगस्त को महेंद्रगढ़ में वंदे मातरम की भावना से ओतप्रोत तिरंगा कॉन्सर्ट आयोजित किया जाएगा। 15 अगस्त 2021 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में आगामी 14 अगस्त को पूरे देश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। हरियाणा में इसका राज्य स्तरीय समारोह गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। यहां 13 अगस्त को विभाजन की त्रासदी से जुड़ी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 14 अगस्त की शाम कैंडल लाइट मौन यात्रा के साथ होगा। 20 फरवरी 2027 तक चलेगा संकल्प अभियान मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि 29 जुलाई को 'गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' शुरू किया गया है, जो 20 फरवरी 2027 तक चलेगा। अभियान की शुरुआत संत गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी से हुई। इस दौरान पवित्र मिट्टी से युक्त कलशों का पूजन कर उन्हें देशभर के राज्यों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। वाराणसी से शुरू हुई कलश यात्रा अब देशभर में पहुंच रही है। गुरु रविदास जी की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र मिट्टी गुरुग्राम पहुंच चुकी है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने फिर किया देश का नाम रोशन मुख्यमंत्री ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि देश ने 39 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया है।

इनमें 10 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाते में आए 13 स्वर्ण पदकों में से 7 स्वर्ण पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं, इनमें 5 बेटियां शामिल हैं। यह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मजबूत खेल नीति और खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं के चलते देश खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है।

अम्बाला छावनी के शाहपुर में बनेगा अत्याधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिग स्कूल: अनिल विज

यह संस्थान लगभग 13 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने, कुशल चालकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में अंबाला जिले के गांव शाहपुर में अत्याधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल (आईडीटीआर) स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में आज परिवहन विभाग और मैसर्ज अशोक लीलेण्ड के बीच समझौता किया गया। विज ने बताया कि यह संस्थान लगभग 13 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा, जिसे हरियाणा सरकार और ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (ओईएम) मैसर्ज अशोक लेलैंड लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह संस्थान भारी मोटर वाहन (एचएमवी) तथा हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) चालकों को वैज्ञानिक, अनुशासित एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

विज ने बताया कि संस्थान में भारी मोटर वाहन (एचएमवी) तथा हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) के

चालकों के लिए फ्रेशर ट्रेनिंग कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिससे नए आवेदक उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्राप्त कर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। इसके साथ ही, पहले से लाइसेंसधारी चालकों के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण, लाइसेंस नवीनीकरण से संबंधित प्रशिक्षण तथा ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि उनके कौशल को समय-समय पर अद्यतन किया जा सके।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में रोजाना होगी जनसुनवाई

पदाधिकारियों की लगाई ड्यूटी तय

एजेंसी
गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन की समस्याओं के नियमित निवारण तथा संगठन और जनता के बीच निरंतर संवाद को मजबूत करने की दिशा में पहल की है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के निर्देशानुसार पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रतिदिन एक प्रदेश उपाध्यक्ष अथवा प्रदेश मंत्री की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार छह अगस्त से 22 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित पदाधिकारी प्रदेश कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा आमजन अपनी सामाजिक, स्थानीय एवं संगठनात्मक समस्याओं को लेकर संबंधित पदाधिकारी से मुलाकात कर सकेंगे। भाजपा की इस व्यवस्था का उद्देश्य कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनना, जनसरोकारों से जुड़े विषयों को समझना तथा संबंधित स्तर पर उनके उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लतिका शर्मा जनसुनवाई के लिए प्रदेश

छह से 22 अगस्त तक रोजाना पंचकमल में मौजूद रहेंगे प्रदेश उपाध्यक्ष व मंत्री

समाधान के लिए आवश्यक समन्वय करना है। इससे प्रदेश कार्यालय में आने वाले कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को अपनी बात रखने के लिए नियमित मंच उपलब्ध होगा। जारी कार्यक्रम के अनुसार छह अगस्त को प्रदेश मंत्री रवि बतान, सात अगस्त को प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गुर्जर, आठ अगस्त को प्रदेश मंत्री मीना चौहान, नौ अगस्त को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक दीपक मंगला, तथा 10 अगस्त को प्रदेश कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। इसी तरह 11 अगस्त को प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहर सैनी, 12 अगस्त को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, 13 अगस्त को प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र बलियाला, 14 अगस्त को प्रदेश मंत्री मदन चौहान, 15 अगस्त को प्रदेश मंत्री हरविन्द्र कोहली, 16 अगस्त को प्रदेश मंत्री अमरपाल राणा तथा 17 अगस्त को प्रदेश मंत्री प्रतिभा सुमन की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

संवाद एवं सहमति से विवादों के समाधान की संस्कृति को बढ़ावा दें: सीजेएम निशा

पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक में कही यह बात

एजेंसी
गुरुग्राम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) गुरुग्राम नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-सह-सचिव डीएलएसए निशा द्वारा मेडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक की।

बैठक के दौरान निशा ने कहा कि मध्यस्थता (मेडिएशन) विवादों के समाधान का एक प्रभावी, सरल एवं सौहार्दपूर्ण माध्यम है, जो न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम करता है, बल्कि पक्षकारों के आपसी संबंधों को भी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी पैनल अधिवक्ताओं से आह्वान

किया कि वे अधिक से अधिक उपयुक्त मामलों की पहचान कर उन्हें मध्यस्थता के लिए प्रेरित करें तथा पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों के प्रति जागरुक करें। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं को मेडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के उद्देश्यों एवं दिशा-निर्देशों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उन्हें निर्देशित किया गया कि वे अपने समक्ष आने वाले प्रत्येक उपयुक्त मामले में सौहार्दपूर्ण समाधान की संभावनाओं का गंभीरता से मूल्यांकन करें तथा पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद निस्तारण के लिए प्रोत्साहित करें। डीएलएसए सचिव ने यह भी कहा कि इस अभियान का उद्देश्य समाज में संवाद एवं सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा नागरिकों को त्वरित, सुलभ एवं कम खर्चीला न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी पैनल अधिवक्ताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा इसकी सफलता में सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के अंत में पैनल अधिवक्ताओं ने अभियान के सफल संचालन के लिए अपने सुझाव सांझा किए।

देश का विभाजन मानवता के भीतर गहरे घाव छोड़कर गया: नायब सिंह सैनी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारत के इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी

एजेंसी
गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस ज्ञात-अज्ञात विभाजन पीड़ितों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है। यह दिन भारत के इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी को स्मरण करने और उससे सीख लेने का दिन है।

यह बात उन्होंने मंगलवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को प्रदेश स्तर पर मनाने के लिए भाजपा कार्यालय में प्रदेश स्तरीय बैठक में कही। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अलावा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ सहित वरिष्ठ नेताओं ने 14 अगस्त को गुरुग्राम में होने वाले प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 1947 में देश के विभाजन ने करोड़ों लोगों का जीवन एक ही रात में बदल दिया था। लाखों परिवार उजड़ गए, अनगिनत लोगों को अपना घर, जमीन-जायदाद और अपनों को छोड़ना पड़ा। यह दिन उस असहनीय पीड़ा, संघर्ष और बलिदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को इतिहास के बारे में पता होना चाहिए। अगर हम इतिहास से प्रेरणा लेते हैं तो हमारा

भविष्य सुरक्षित रहता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आने वाली युवा पीढ़ी को देश के इतिहास की सही जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम इतिहास से प्रेरणा लेते हैं तो हमारा भविष्य सुरक्षित रहता है, लेकिन यदि इतिहास को भुला दिया जाए तो वही भयावह परिस्थितियां दोबारा सामने खड़ी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढी को समझना और बताना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश आजादी का जश्न मना रहा था, उसी समय भारत का विभाजन हुआ। यह केवल सीमाओं का बंटवारा नहीं था, बल्कि दिलों को चीर देने वाला दर्दनाक अध्याय था।

लाखों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। जिन लोगों ने अपनी आंखों से वह मंजर देखा, वे आज बुजुर्ग हो चुके हैं। उस समय कई लोग छोटे बच्चे थे, जो अपनी मां की गोद में सफर कर रहे थे। उन पर क्या बीती होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभाजन के समय माताएं अपने बच्चों से बिछड़ गईं, बच्चे भीड़ में खो गए, परिवार बिखर गए और लाखों लोग हिंसा की चपेट में आए। यह केवल जमीन का विभाजन नहीं था, बल्कि मानवता के भीतर गहरे घाव छोड़ने वाली त्रासदी थी।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि भागदौड़ की जिंदगी में जब इंसान को थोड़ा सुख मिलता है तो वह दुखों को भूल जाता है, हमें उन दुखों को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाजन की त्रासदी को कौन नहीं जानता। जब ट्रेनें चलती थी तो उसमें मातम अधिक होता था। कई बार तो ट्रेन अपनी मंजिल तक पहुंचती ही नहीं थीं। वे अपने साथ दर्द का सन्नाटा छोड़ जाती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के माध्यम से देश को ऐसा मंच दिया है, जहां उस इतिहास को निरंतर याद किया जा सके और नई पीढ़ी को उससे परिचित कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि देश का यह विभाजन केवल जमीन का विभाजन नहीं था। यह विभाजन मानवता के भीतर गहरे घाव छोड़कर गया है। लोगों ने विस्थापित होकर कष्टों के बीच अपना जीवन जीया है। विभाजन त्रासदी की इस आग ने रिश्तों को जला दिया। सदियों की सांझी विरासत को पलभर में बिखरने का काम किया।

सांस्कृतिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : विपुल गोयल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को साथ लेकर आगे बढ़ रही है : विपुल गोयल

एजेंसी
कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का ऐसा केंद्र है, जिसने पूरी मानवता को भगवान श्रीकृष्ण के माध्यम से कर्मयोग और धर्म का संदेश दिया। इस पावन धरा को विश्वस्तरीय धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना हरियाणा सरकार का संकल्प है। सरकार योजनाबद्ध तरीके से ऐसे कार्य कर रही है, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ एक बेहतर और व्यवस्थित वातावरण मिल सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। हमारा उद्देश्य केवल नए निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इसके लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, जिला प्रशासन और शहरी स्थानीय निकायों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा विशेषज्ञ एजेंसियों के माध्यम से शहर के समग्र विकास की दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि सरकार चाहती है कि कुरुक्षेत्र आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु

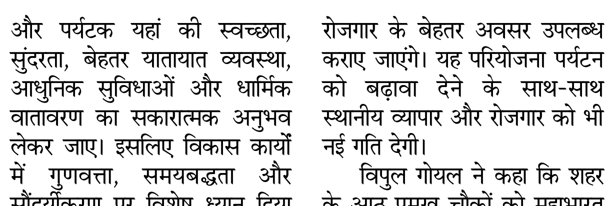

और पर्यटक यहां की स्वच्छता, सुंदरता, बेहतर यातायात व्यवस्था, आधुनिक सुविधाओं और धार्मिक वातावरण का सकारात्मक अनुभव लेकर जाए। इसलिए विकास कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सरकार विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी परियोजना को धन की कमी के कारण रुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पहले स्ट्रीट फूड हब को कुरुक्षेत्र में विकसित करने की मंजूरी मिल चुकी है। लगभग दो एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह आधुनिक स्ट्रीट फूड हब गीता जयंती महोत्सव से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के लिए अलग-अलग जोन विकसित किए जाएंगे तथा पंजीकृत स्ट्रीट वेंडरों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह परियोजना पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी नई गति देगी।

विपुल गोयल ने कहा कि शहर के आठ प्रमुख चौकों को महाभारत थीम पर विकसित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही गीता द्वार का भी नए स्वरूप में निर्माण किया जा रहा है, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को कुरुक्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का भव्य स्वरूप दिखाई देगा। यह प्रयास शहर को एक विशिष्ट पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की अर्बन चैलेंज फंड योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र, लाडवा और पिहोवा में प्रमुख मार्गों का आधुनिक स्वरूप में विकास किया जाएगा। इन परियोजनाओं के तहत सड़कें, बाजार, पार्क, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा, ताकि शहरों का स्वरूप अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बन सके।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे विकास कार्यों की नियमित निगरानी करें और योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचाएं। सरकार का लक्ष्य ऐसा विकसित कुरुक्षेत्र तैयार करना है, जो धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और आधुनिक नागरिक सुविधाओं का उत्कृष्ट संगम बनकर पूरे देश और दुनिया के लिए प्रेरणा बने।

सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक संकेतों ने इन कीमती धातुओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। विशेष रूप से, चांदी लगातार तीसरे कारोबारी दिन बढ़त बनाए रखने में सफल रही है, जो बाजार में उसकी मजबूत मांग को दर्शाता है।राजधानी नई दिल्ली के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1,42,900 प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर पर बनी हुई हैं, जो बाजार में मजबूत धारणा को दर्शाती हैं। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना इस स्तर पर स्थिर कारोबार कर रहा है, लेकिन यह पिछले सत्रों की तेजी और कुल मिलाकर सकारात्मक रुझान को दर्शाता है। वहीं, चांदी ने अपनी चमक और बढ़ा दी है, और अब यह 2,23,654 प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर गई है। चांदी की यह लगातार तीसरी दैनिक बढ़त बाजार में उसकी मजबूत मांग और निवेशकों की दिलचस्पी को उजागर करती है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। सोने की कीमत 0.82 प्रतिशत उछलकर डॉलर 4,186 प्रति औंस पर पहुंच गई है, जबकि चांदी ने और भी तेज रफ्तार पकड़ी है। चांदी 1.30 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 61.03 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। वैश्विक स्तर पर इन धातुओं की बढ़ती कीमतें घरेलू बाजारों पर भी सीधा असर डाल रही हैं, जिससे भारतीय निवेशकों को भी लाभ मिल रहा है।इस तेजी के पीछे कई आर्थिक कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। प्रमुख रूप से, कच्चे तेल की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच महंगाई बढ़ने की चिंताओं को कुछ हद तक कम किया है। महंगाई कम होने की उम्मीद से सोने जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संपत्ति की मांग बढ़ती है, क्योंकि यह पारंपरिक रूप से मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, निवेशकों को अब यह उम्मीद है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हो सकती है। ब्याज दरों में कम बढ़ोतरी का मतलब है कि गैर-लाभकारी संपत्ति होने के बावजूद सोने में निवेश अधिक आकर्षक हो जाता है, क्योंकि इसकी अवसर लागत कम हो जाती है।

बाजार की निगाहें अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी फैसलों पर टिकी हैं। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति से जुड़ी घोषणाएं और ब्याज दरों पर उसका रुख आने वाले समय में सोने की कीमतों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जब तक ब्याज दरों को लेकर स्पष्टता नहीं आती, तब तक बाजार में कुछ अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन मौजूदा संकेत सोने और चांदी के लिए सकारात्मक बने हुए हैं, जिससे आने वाले समय में भी इनकी कीमतों में और मजबूती देखने को मिल सकती है। निवेशक इस समय सतर्कता के साथ निवेश के अवसरों पर नजर बनाए हुए हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावना के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं। बुधवार को ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों ही सबसे निचले स्तर पर आ गए। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी फिसलकर 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। जबकि अमेरिकी क्रूड भी 5 फीसदी से ज्यादा गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया। दोनों बेंचमार्क 13 जुलाई के बाद अपने सबसे निचले स्तर पर कामकाज करते दिखे। अभी ब्रेंट करीब 78.31 डॉलर और डब्ल्यूटीआई 74.42 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान और ओमान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उम्मीद है कि जल्द ही होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू हो सकती है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी कहा कि एक-दो दिनों में इस संबंध में समझौता हो सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 152 अंक , निफ्टी 9 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबार दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही खरीददारी से बाजार ऊपर आया। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले से पहले निवेशकों की खरीदारी के साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शीर्ष समझौते की उम्मीद से भी बाजार ऊपर आया है

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 152 अंक की बढ़त के साथ ही 78,581.00 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 9 अंक उछलकर 24,624.65 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।आज मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 2 अंकों की बढ़त के साथ ही 18,218.45 अंक पर बंद हुआ।आज श्रीराम फाइनेंस, ग्रेसिम, हिंडाल्का, जुबिलेंट फूड और बॉश के के अलावा पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि अपोलो अस्पताल, एचसीएल टेक और टीसीएस कल्याण ज्वेलर्स,

मैरिको आदि के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार के दौरान सेंसेक्स 490.67 अंक की बढ़त के साथ ही 78,919.62 पर कारोबार करता दिखा जबकि निफ्टी तकरीबन 29.60 अंक बढ़कर 24,643.90 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 इंडेक्स में इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

एनएसई बंद भाव का असर म्युचुअल फंड योजनाओं के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य पर पड़ा

नई दिल्ली,। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सोमवार को बंद भाव में विसंगति का असर म्युचुअल फंड योजनाओं के शुद्ध परिसंपत्ति मूल्य पर भी पड़ा। इससे दिन में लेनदेन करने वाले निवेशकों को अलग-अलग नतीजे मिले, जिन निवेशकों ने दोपहर 3 बजे की कट-ऑफ से पहले लार्जकैप शेयरों पर केंद्रित योजनाओं में निवेश किया उन्हें ज्यादा भुगतान करना पड़ा लेकिन कट-ऑफ से पहले रिडेम्पशन ऑर्डर देने वालों को बढ़े हुए एनएवी का फायदा मिला। म्युचुअल फंड के एनएवी की गणना सबसे ज्यादा खरीद-फरोख्त वाले स्टॉक एक्सचेंज पर संबंधित शेयरों के बंद भाव का इस्तेमाल करते हुए की जाती है। अधिकतर मामलों में स्टॉक एक्सचेंज एनएसई होता है। इसलिए उन चुनिंदा शेयरों में आखिरी समय में आई तेजी की वजह से एनएवी बढ़ गए जो नए क्लोजिंग प्राइस सेशन ढांचे में चले गए हैं। अगर 3.15 बजे के स्तर पर तुलना की जाए तो निफ्टी 50 में कारोबार बंद होने तक 0.82 फीसदी की और बढ़त हुई। लार्जकैप और फ्लेक्सी कैप फंडों के लिए व्यापक तौर पर ट्रैक किए गए बेंचमार्क निफ्टी 100 में 0.76 फीसदी और निफ्टी 500 में 0.59 फीसदी की बढ़त हुई। निफ्टी मिडकैप 150 में 0.36 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई लेकिन निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहा क्योंकि इसके अधिकांश घटक क्लोजिंग ऑक्शन फ्रेमवर्क का हिस्सा नहीं हैं जो फिलहाल केवल वायदा एवं विकल्प अनुबंध वाले शेयरों को कवर करता है।

रीट और इनविट में निवेश करने वालों के लाभांश पर कोई कर नहीं लगेगा

एसपीवी पर अधिभार बढ़ाकर होने वाले नुकसान की भरपाई का प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली,।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) में निवेश करने वालों के लाभांश पर पहले की तरह कोई कर नहीं लगेगा, भले ही उनसे जुड़ी विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) नई कर व्यवस्था को अपना लें। सरकार ऐसे एसपीवी पर अधिभार बढ़ाकर इससे होने वाले राजस्व के नुकसान की भरपाई करने का प्रस्ताव पेश किया है। कर विशेषज्ञों के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किए गए कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत इन एसपीवी के लिए प्रभावी कॉरपोरेट कर की दर करीब 25.2 फीसदी से बढ़कर 28.6 फीसदी हो जाएगी। विधेयक के प्रस्ताव के तहत रियायती कॉरपोरेट कर व्यवस्था चुनने वाली एसपीवी पर अधिभार 10 फीसदी से बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा, साथ ही उन यूनिट धारकों को लाभांश कर से छूट मिलेगा जिनकी एसपीवी नई व्यवस्था में चली गई है। हालांकि नई कर व्यवस्था में जाने के बाद भी एसपीवी को एकत्र न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट को आगे ले जाने और इस्तेमाल करने की अनुमति होगी, जैसा कि दूसरी कंपनियों के मामले में होता है।

2,000 रुपए से ऊपर का लेन-देन किया तो लग सकता है मर्चेन्ट शुल्क?

केंद्र सरकार मुफ्त यूपीआई भुगतान प्रणाली में कर सकती है नीतिगत बदलाव

नई दिल्ली,।

भारत की मुफ्त यूपीआई भुगतान प्रणाली में अब बड़ा नीतिगत बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने संसद में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम एक्ट में संशोधन के लिए प्रस्ताव पेश किया है, जिससे भविष्य में चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट शुल्क लगाने का रास्ता साफ हो सकता है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किए इस संशोधन के तहत फिलहाल कोई तत्काल शुल्क लागू नहीं किया गया है, बल्कि एक कानूनी ढांचा तैयार किया जा रहा है। 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर 0.3 फीसदी से 0.5 फीसदी तक का मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। राहत की बात यह है कि इस शुल्क का बोझ आम उपभोक्ताओं पर पड़ने की संभावना नहीं है। यह शुल्क केवल उन व्यापारियों पर लागू होगा जिनका सालाना टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इसका मतलब है कि आपके पास की छोटी दुकानों और छोटे कारोबारियों के लिए यूपीआई लेनदेन पहले की तरह ही मुफ्त रहेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि बिना किसी शुल्क के यूपीआई सेवाएं देना लंबे समय के लिए टिकाऊ नहीं है। मर्चेंट शुल्क न होने के कारण कंपनियों के लिए नई तकनीक में निवेश करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई के महीने में यूपीआई के जरिए 29.9 ट्रिलियन रुपए मूल्य के 23.6 बिलियन लेनदेन हुआ। हालांकि 2000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन कुल संख्या का केवल 4 फीसदी हैं, लेकिन कुल मूल्य में इनकी हिस्सेदारी 67 फीसदी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सेगमेंट पर शुल्क लगाने से डिजिटल भुगतान उद्योग को सालाना 5,000 करोड़ से 10,000 करोड़ रुपये तक का राजस्व मिलने की उम्मीद है।सरकार ने साफ किया है कि यह अभी केवल एक कानूनी प्रावधान है। जब तक इस पर अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक यूपीआई भुगतान मौजूदा व्यवस्था के तहत पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा। सरकार अभी इस बात पर विचार कर रही है कि शुल्क की दर क्या हो और इसे किन लेनदेन पर लागू किया जाए।

त्योहारों पर नहीं होगी तेल की कमी, रिफाइनरियों के पास है पाम व सोयाबीन का स्टॉक

जुलाई में भारत का कुल खाद्य तेल आयात 34फीसदी बढ़कर 14.9 लाख टन पहुंचा

नई दिल्ली,।

आगामी त्योहारी सीजन में भारत में खाने के तेल की कोई किल्लत नहीं होगी। देश की तेल रिफाइनरियों ने त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए पहले से कमर कस रखी है और पाम व सोयाबीन तेल का बंपर स्टॉक रखा है। जुलाई में भारत का कुल खाद्य तेल आयात 34फीसदी बढ़कर 14.9 लाख टन पहुंच गया है। यह खाने के तेल के आयात का पिछले 10 महीनों का सबसे उच्चतम स्तर है।डीलरों के मुताबिक भारतीय रिफाइनरियों ने पिछले कुछ महीनों से विदेशों से खाद्य तेलों की खरीद में भारी बढ़ोतरी की है। जुलाई में पाम ऑयल का आयात जून के मुकाबले 50फीसदी बढ़कर 7.33 लाख मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का सबसे ऊंचे स्तर पर है।इसी तरह सोयाबीन तेल का आयात भी 32फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ 5.01 लाख टन हो गया। यह पिछले साल महीनों में सबसे ज्यादा आयात है। सूरजमुखी तेल की आवक भी बढ़ी है और इसका इंपोर्ट जुलाई में 4फीसदी बढ़कर 2.53 लाख टन हो गया है।

मुंबई स्थित वनस्पति तेल ब्रोकरेज फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में आयात कम होने की वजह से घरेलू बाजार में खाद्य तेल का स्टॉक घट गया था।घरेलू स्तर पर सरसों और सोयाबीन की क्रशिंग भी कम हो रही थी। अगस्त से नवंबर में भारत में त्योहारों के चलते खाद्य तेलों की खपत अपने चरम पर होती है।

इसी वजह से रिफाइनर्स ने विदेशों से एडिबल ऑयल की सप्लाई बढ़ा दी है।गुजरात के जीजीएन रिसर्च के मैनेजिंग पार्टनर का कहना है कि अगस्त और सितंबर महीनों में भी सोयाबीन तेल का आयात हर महीने पांच लाख मीट्रिक टन से ज्यादा रहने का अनुमान है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 95.10 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 70 पैसे की मजबूती के साथ 94.89 के स्तर पर खुला। आरबीआई (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक और सकारात्मक वैश्विक संकेतों से पहले रुपये में सुधार दर्ज किया गयावहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा।

सड़क हादसे रोकने नए दोपहिया और चारपहिया वाहनों में वी2वी सिस्टम होगा अनिवार्य

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2028 से बनने वाले नए वाहनों में वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार प्रणाली अनिवार्य तौर पर लगानी पड़ सकती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में बताया कि इस साल की शुरुआत में घोषित सड़क सुरक्षा प्रौद्योगिकी को चरणबद्ध तरीके से लागू करने कदम उठाया जा रहा है। 1 अक्टूबर 2028 या उसके बाद बनने वाले दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया यात्री और ढुलाई वाहनों को एआईएस-230 के अनुरूप वी2वी संचार प्रणाली से लैस करना जरुरी होगा। मसौदा दिशा-निर्देश में यह भी कहा गया है कि अक्टूबर 2027 से अगर वाहनों में वी2वी संचार प्रणाली फिट की जाती है तो उसे समय-समय पर संशोधित एआईएस-230 का अनुपालन करना होगा। इससे संकेत मिलता है कि 2028 तक बनने वाले नए वाहनों के लिए वी2वी प्रणालियों का अनुपालन वैकल्पिक रहेगा।वी2वी एवं अन्य इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) ऐप्लिकेशन के लिए 5.875 गीगाहर्ट्ज से 5.925 गीगाहर्ट्ज आवृत्ति बैंड पर विचार किया गया है। दूरसंचार विभाग ने जून में इस आवृत्ति बैंड के उपयोग को लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से छूट दी थी। मंत्रालय के मुताबिक वी2वी संचार प्रणाली आसपास के वाहनों को उनकी गति, स्थिति, दिशा, एक्सेलेरेशन आदि तमाम जानकारियों को वास्तविक समय पर आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाती है। यह जानकारी ड्राइवरों या वाहन प्रणालियों को सुरक्षा के लिहाज से अहम स्थितियों में पूर्व

चेतावनी प्रदान कर सकती है। इसमें अचानक ब्रेक लगाना, आगे टक्कर का जोखिम, असुरक्षित लेन बदलना और आपातकालीन वाहनों का आगमन शामिल है।मंत्रालय ने कहा कि पारंपरिक वाहन सुरक्षा प्रणालियां मुख्य तौर पर ऑनबोर्ड सेंसर और ड्राइवर की प्रतिक्रिया पर निर्भर करती हैं। मगर वी2वी संचार प्रणाली सीधे तौर पर न दिखने वाली जानकारियां भी प्रदान कर सकती है। ऐसे में इससे उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली को पूरक बनाने और संभावित दुर्घटना से निपटने, कनेक्टेड मोबिलिटी और भविष्य के इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट ऐप्लिकेशन को मदद मिलने की उम्मीद है।

सरकार ने हितधारकों को प्रस्तावित नियमों पर राय देने के लिए अगस्त के अंतिम सप्ताह तक का समय दिया है।

जियो ब्लैकरॉक पहला ईटीएफ लॉन्च, इस फंड में कोई लॉक इन पीरियड नहीं

-निवेशकों को देश की 50 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों में निवेश का मिलेगा मौका

नई दिल्ली,।

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपना पहला एक्सचेंज ट्रेडड फंड (ईटीएफ) लॉन्च किया है। इस नए फंड का नाम जियोब्लैकरॉक निफ्टी 50 ईटीएफ है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी फंड है। यह ईटीएफ निफ्टी 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिससे निवेशकों को एक ही निवेश के जरिए देश की 50 प्रमुख लिस्टेड कंपनियों में निवेश का मौका मिलेगा। इस स्कीम का न्यू फंड ऑफर 4 अगस्त से खुल गया है, निवेशक इसमें 11 अगस्त तक निवेश कर सकेगा। यूनिट आवंटन के बाद यह स्कीम पांच कारोबारी दिनों के भीतर दोबारा निवेश के लिए खुलेगी। इस फंड में निवेशक न्यूनतम 500 रुपए से और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में निवेश शुरू कर सकते हैं। इस फंड में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही किसी तरह की एग्जिट लोड फीस है यानी निवेशक जब चाहें तब इस फंड की यूनिट्स बेच सकते हैं। तन्वी कचेरिया, आनंद शाह और हरेश मेहता इस स्कीम के फंड मैनेजर्स हैं। इस फंड का बेंचमार्क निफ्टी 50 टीआरआई है। फंड हाउस के मुताबिक 30 मार्च 2026 तक भारत के मार्केट कैपिटलाइजेशन का करीब 53.73 फीसदी हिस्सा रखने वाला निफ्टी 50 इंडेक्स लंबे समय से भारत के इक्विटी मार्केट के लिए एक प्रमुख बेंचमार्क रहा है और यह निवेशकों को देश की लॉन्ग-टर्म आर्थिक और कॉर्पोरेट ग्रोथ में व्यापक भागीदारी का मौका देता है।

जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि इस ईटीएफ का मकसद निवेशकों को देश की टॉप 50 कंपनियों में आसानी से निवेश का मौका देना है, ताकि वे इन कंपनियों की लंबी अवधि की ग्रोथ का लाभ उठा सकें। यह स्कीम निफ्टी 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगी, जिससे निवेशकों को एक ही फंड में डायवर्सिफिकेशन, पारदर्शिता और आसान निवेश का फायदा मिलेगा। कंपनी के मुताबिक जियो की मजबूत डिजिटल पहुंच और भारतीय ग्राहकों की समझ को ब्लैकरॉक की वैश्विक निवेश विशेषज्ञता और ईटीएफ प्रबंधन क्षमता के साथ जोड़कर निवेशकों के लिए टेक्नोलॉजी बेस्ड इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी उपलब्ध कराए जाएंगे।फंड हाउस के मुताबिक निवेश का लक्ष्य हासिल करने के लिए यह स्कीम पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर चलेगी यानी कि फंड मैनेजर बेंचमार्क इंडेक्स की ही नकल करेंगे। फंड मैनेजर निफ्टी-50 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही आपका पैसा लगाएगा। इंडेक्स में शामिल कंपनियों के वेटेज यानी भार के हिसाब से ही उस शेयर में निवेश किया जाएगा। फंड का मसकद अपने बेचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है। हालांकि इसमें ट्रैकिंग एरर की भी आशंका है। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी के मुताबिक जो निवेशक एक्सचेंज ट्रेडड फंड के जरिए निफ्टी 50 इंडेक्स में निवेश करना चाहते हैं उनके लिए यह स्कीम एक विकल्प हो सकती है।

नायका कंपनी का मुनाफा 3.3 गुना बढ़कर 79.76 करोड़ रुपए पहुंचा, रेवेन्यू 29फीसदी बढ़ा

कंपनी ने 12 तिमाहियों में अच्छा प्रदर्शन किया, अपने प्लेटफॉर्म पर कई नए ब्रांड जोड़े

नई दिल्ली।

ब्यूटी और फैशन ई-कॉमर्स कंपनी नायका की पैरेंट कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 3.3 गुना बढ़कर 79.76 करोड़ रुपए पहुंच गया है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 24.47 करोड़ रुपए था। वहीं, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के मुकाबले कंपनी के मुनाफे में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कंपनी की आय में भी अच्छी बढ़त देखने को मिली है। अप्रैल-जून 2026 तिमाही में नायका का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 29 फीसदी बढ़कर 2,782 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 2,154.9 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2,648.1 करोड़ रहा था।नायका के खर्चों में सालाना आधार पर बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का कुल खर्च वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 25.5 फीसदी बढ़कर 2,662.15 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि, इसके बावजूद कंपनी की कमाई क्षमता में सुधार देखने को मिला है। कंपनी का ईबीआईटीडीए यानी ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले की कमाई 68 फीसदी बढ़कर 236 करोड़ रुपए हो गई। इसके साथ ही ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 8.5 फीसदी पर पहुंच गया। नायका की फाउंडर, एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन और सीईओ फाल्गुनी नायर ने कहा कि इस तिमाही में कंपनी की ग्रोथ और ईबीआईटीडीए मार्जिन ने पिछले 12 तिमाहियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर कई नए ब्रांड जोड़े हैं।

कंपनी के ब्यूटी कारोबार का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़कर 4,105 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी के मुताबिक, यह बढ़ोतरी ई-कॉमर्स, रिटेल स्टोर्स, ईबी2बी डिस्ट्रीब्यूशन और हाउस ऑफ नायका ब्यूटी पोर्टफोलियो में बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई है। नायका का क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म नायका नॉऊ तेजी से अपना दायरा बढ़ा रहा है। फिलहाल यह सेवा 13 शहरों में उपलब्ध है और कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2027 के अंत तक इसे 25 से ज्यादा शहरों तक पहुंचाने की है।

दूसरी ओर, नायका के फैशन कारोबार में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई है। इस सेगमेंट का जीएमवी 53 फीसदी बढ़कर 1,471 करोड़ रुपए हो गया।

इलेक्ट्रिक बसों-ट्रकों के स्थानीयकरण नियम लागू करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने भारी उद्योग मंत्रालय से किया अनुरोध

नई दिल्ली,।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से अनुरोध किया है कि पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों के लिए स्थानीयकरण के नियम लागू करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए। उसने यह मियाद 1 अप्रैल 2027 करने का आग्रह किया है। अभी यह समय-सीमा 1 सितंबर 2026 तय की गई थी। सायम का कहना है कि चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है जिससे इन मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा आ रही है। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों की ट्रैक्शन मोटर बनाने के लिए बहुत जरूरी है।रिपोर्ट के मुताबिक सायम ने 22 जुलाई को मंत्रालय को भेजे अपने पत्र में यह मांग की थी। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रिक बस और ट्रक निर्माता कंपनियों को ट्रैक्शन मोटर के अहम घटकों का निर्माण भारत में करना जरुरी है। सरकार पहले इन नियमों को 1 सितंबर 2025 से लागू करना चाहती थी लेकिन उद्योग की मांग पर इसे दो बार पहले ही टाला जा चुका है। अब सायम का कहना है कि चीन ने डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे भारी रेयर अर्थ तत्वों और परमानेंट मैग्नेट के निर्यात पर नियंत्रण लगा दिया है। इससे पूरी दुनिया में इन मैग्नेट की आपूर्ति अस्त-व्यस्त हुई है। यह मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाली ट्रैक्शन मोटर के लिए अहम है।उद्योग संगठन ने कहा कि हालांकि कुछ कंपनियों को निर्यात की अनुमति मिली है, लेकिन हर खेप के लिए सरकार की मंजूरी लेनी पड़ती है। इससे सामान मिलने में काफी समय लग रहा है और आपूर्ति अनिश्चित बनी हुई है। सायम ने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण माल ढुलाई में ज्यादा समय लग रहा है।

अनुच्छेद 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरूआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।

दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू-कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही वजह है कि आज पाकिस्तान के आरोपों से अधिक प्रभावशाली वह बदली हुई तस्वीर है, जिसे जम्मू-कश्मीर की धरती पर विकास, शांति और जनविश्वास के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।

संपादकीय

जन्म-मृत्यु पंजीकरण

यह जरूरी है कि देश में जन्म व मृत्यु से जुड़े आंकड़े प्रामाणिक हों और समय रहते दर्ज कर लिए जाएं। इससे जनसंख्या गणना, मतदाता की विश्वसनीयता और अंततः विकास योजनाओं के लिये विश्वसनीय आंकड़े जुटा पाना संभव होता है। वहीं दूसरी ओर अवैध घुसपैठियों और विदेशी नागरिकों की पहचान भी संभव हो पाती है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि प्रक्रियागत बाधाएं बढ़ाने की बजाय, समय पर रिपोर्टिंग करने को सहज व सरल बनाया जाए। लोगों को इस बाबत जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने से अधिक नीतिगत मामलों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार का दावा है कि न्यायिक जांच से पंजीकरण में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगायी जा सकेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2023 संशोधनों के तहत कई सरकारी सेवाओं के लिये जन्म प्रमाण पत्र पहचान का मुख्य दस्तावेज बन गया है। हालांकि, इस बाबत दो साल की समय-सीमा चुनने के पीछे की वजह को तार्किक आधार पर नहीं बताया गया है। वहीं कई ऐसे वाजिब कारण हैं जिसके चलते पंजीकरण देर से होता है। उदाहरण के लिये लें तो दूरदराज के इलाकों में जन्म, पलायन और जागरूकता की कमी के कारण भी जन्म-मृत्यु के पंजीकरण में विलंब होता है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

हिरोशिमा दिवसः तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और हिरोशिमा का सबक

दिलीप कुमार पाठक

इक्यासी साल पहले छह अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया था, वह सिर्फ एक शहर की तबाही नहीं थी। उसने चंद सेकेंड में लाखों लोगों को मार डाला और जो बचे, वे पीढ़ियों तक घिसट-घिसट कर मरने के लिए मजबूर हो गए। आज भी जब हम उस दिन की कल्पना करते हैं तो सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ी है। चारों तरफ बस लड़ाई-झगड़े और तनाव का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। उधर पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के बीच का झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा लगता है कि दुनिया के बड़े देश किसी भी दिन एक दूसरे पर परमाणु हमला कर देंगे। मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार बहुत पते की बात कही थी कि मैं यह तो नहीं जानता कि तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कथन आज की कड़वी सच्चाई है। इस पूरी बबार्दी के पीछे साफ तौर पर अमेरिका की दादागिरी दिखाई देती है। वह अपने फायदे के लिए यूक्रेन के बहाने रूस को घेरने की जिद पर अड़ा है। नाटो सेनाओं का विस्तार करके वह आग में घी डालने का काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया के मामले में भी अमेरिकी नीतियां और उसके हथियार शांति लाने के बजाय लड़ाई को और भड़का रहे हैं। आज दुनिया के नौ देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु बम मौजूद हैं। जरा सोचिए, जिस एक बम ने हिरोशिमा को श्मशान बना दिया था, आज के बम उससे हजारों गुना ज्यादा खतरनाक हैं। ऊपर से बड़े देशों के नेता जरा-जरा सी बात पर परमाणु हमले की धमकी देने लगते हैं। रूस के राष्ट्रपति कई बार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले का डर दिखा चुके हैं, जो साफ करता है कि इन महाशक्तियों का अहंकार कितना बढ़ चुका है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएनओ की भूमिका बिल्कुल बेकार साबित हुई है। इस संस्था को बनाया ही इसलिए गया था ताकि दुनिया में दोबारा कोई बड़ा युद्ध न हो। लेकिन आज यह बड़ी ताकतों के सामने बिल्कुल लाचार और बेबस दिखती है। शक्तिशाली देश इसके नियमों को अपने जूते की नोक पर रखते हैं और अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करके मनमानी करते हैं। यूएनओ न तो रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवा पाया और न ही पश्चिम एशिया में बेकसूर बच्चों और नागरिकों को मरने से बचा पा रहा है। गाजा में हजारों मासूमों की मौत पर भी यूएनओ कोई ठोस कदम नहीं उठा सका। अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों को डराने के लिए रह गए हैं, जबकि ताकतवर देश खुलेआम नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

जब पूरी दुनिया इस तरह आपस में लड़ रही है, तब भारत का नजरिया सबसे अलग और सही है। हमारे देश ने कभी किसी पर अपनी मर्जी थोपने या किसी की जमीन हड़पने की कोशिश नहीं की। भारत ने हमेशा दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का रास्ता दिखाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। भारत इसी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हमारे पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन हमारी नीति बिल्कुल साफ है कि हम अपनी तरफ से पहले कभी किसी पर हमला नहीं करेंगे। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है। भारत ने हमेशा अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी का विरोध किया है और एक ऐसी दुनिया की वकालत की है जहां सब बराबर हों।हिरोशिमा की त्रासदी झेलने वाले रो-रोकर दुनिया से यही कह रहे हैं कि जो उनके साथ हुआ वह दोबारा किसी के साथ न हो। हिरोशिमा दिवस सिर्फ एक पुराना किस्सा याद करने का दिन नहीं है। यह दुनिया के बड़े नेताओं को अपना अहंकार छोड़ने की चेतावनी देने का दिन है। हथियार और जंग कभी किसी मसले का हल नहीं हो सकते। नेताओं की सनक के चक्कर में आम जनता अपनी जान गंवाती है। ट्रम्प, पुतिन, शी जंपिंग जैसे नेताओं को समझना होगा सृष्टि निर्माण पुनः नहीं होगा, बस इसी को सहेजने की दरकार है।

(लेखक पत्रकार हैं)

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा।

उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है।

महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वतः बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है।

त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है।

हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी। फिर भी लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा सकती हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है, उनके लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर अतिरिक्त खर्च करना आसान नहीं होगा।

महंगाई का प्रभाव केवल भोजन या घरेलू सामान तक सीमित नहीं रहता। जब साबुन, डिटर्जेंट, खाद्य तेल, चाय, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन जैसी वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों को अपने खर्च की प्राथमिकताएं बदलनी पड़ती हैं। कई बार लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद तक सीमित हो जाते हैं और अन्य खर्च टाल देते हैं। इससे उपभोग के स्वरूप में बदलाव आता है और बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा महंगाई लक्ष्य चार प्रतिशत के आसपास रखा गया है ताकि आम लोगों की क्रय शक्ति पर अधिक दबाव न पड़े। लेकिन जब वैश्विक कारणों से ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मौसम की परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि मानसून सामान्य रहता है और कृषि उत्पादन अच्छा होता है तो खाद्य महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण संभव है। वहीं यदि मौसम प्रतिकूल रहता है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

त्योहारी मौसम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसी दौरान उपभोक्ता खर्च में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। व्यापारी, निमार्ता और सेवा क्षेत्र सभी इस अवधि पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। इसलिए कंपनियां भी कोशिश करती हैं कि मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू किया जाए ताकि ग्राहकों पर अचानक अधिक बोझ न पड़े। कई कंपनियां छोटे पैक, विशेष छूट और प्रचार योजनाओं के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो बढ़ती लागत और महंगाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक ओर कंपनियों को अपने उत्पादन और कारोबार को लाभकारी बनाए रखना होता है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता भी बनी रहनी चाहिए। यदि कीमतें अत्यधिक बढ़ती हैं तो मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि लंबे समय तक लागत का पूरा बोझ कंपनियां स्वयं उठाएं तो उनके लाभ और निवेश पर असर पड़ सकता है। इसलिए मूल्य निर्धारण में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होता है।

आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा कई कारकों पर निर्भर करेगी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया की स्थिति, मानसून का प्रदर्शन, परिवहन लागत और घरेलू मांग सभी इस पर प्रभाव डालेंगे। यदि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार होता है और कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं तो भविष्य में मूल्य वृद्धि की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं यदि लागत का दबाव लगातार बना रहता है तो रोजमर्रा के कई उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

त्योहारी उल्लास के बीच बढ़ती महंगाई निश्चित रूप से आम उपभोक्ताओं के लिए चुनौती लेकर आ सकती है। ऐसे समय में विवेकपूर्ण खर्च, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना और संतुलित आर्थिक योजना बनाना परिवारों के लिए उपयोगी होगा। साथ ही उद्योग, बाजार और नीति निमार्ताओं के बीच ऐसा संतुलन बनाना भी आवश्यक है जिससे उत्पादन लागत की वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी न बढ़े। यही संतुलन देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम नागरिकों के हित में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में पुरुषों का यौन उत्पीड़न, पूर्व रग्बी कोच आरोपी

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व राष्ट्रीय रग्बी कोच और रेडियो प्रस्तोता एलन जोन्स (85) के खिलाफ छह पुरुषों और लड़कों के यौन उत्पीड़न के आरोपों में सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ। उन्होंने 2003 से 2020 के बीच लगे अनुचित व्यवहार और यौन स्पर्श के 22 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में जस्टिस ग्लेन वॉल्श के समक्ष यह सुनवाई चल रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 14 साल की उम्र में जोन्स ने उसकी मदद की, लेकिन बाद में अनुचित व्यवहार शुरू कर दिया। वहीं, जोन्स की वकील गैब्रिएल बशीर ने आरोपों को प्रतिद्वंद्विता और मौकापरस्ती से प्रेरित मनगढ़ंत कहानी करार दिया।

ब्रॉड पीक हिमस्खलन में जान गंवाने वाले तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद, दो अब भी लापता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान स्थित ब्रॉड पीक पर आए घातक हिमस्खलन में मारे गए तीन और पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। 7,000 मीटर की ऊंचाई पर आए इस हिमस्खलन की चपेट में 10 सदस्यीय टीम आ गई थी। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) के अनुसार, बरामद शवों में दिग्गज ब्रिटिश-नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुरजा, नेपाल के पुर बहादुर गुरुंग, किली पेम्बा शेरपा, नीमा शेरपा, ग्यालु शेरपा, नधीरा अहमद अब्दुल्ला, ओमान के अल हार्थी, अमेरिका की मेलोरी गीस और चीन के वांग झोंग शामिल हैं। पाकिस्तान के सोहेल सखी और नवांग थिंडू शेरपा अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पीओके में नवाज शरीफ की पार्टी बना सकती है सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चुनाव के दूसरे चरण में नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीती हैं। 27 जुलाई को पहले चरण में नवाज की पार्टी ने 13 में से नौ सीटें जीतीं थी। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने अब तक 31 में से 23 सीटें जीती हैं जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने आठ सीटें हासिल की हैं। पीपीपी को दोनों चरणों में चार-चार सीटें मिली हैं।

अफगानिस्तान में कबीलों के बीच जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, चौथे दिन जारी झड़प में कई घायल

काबुल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में खोस्त और पक्तिया प्रांतों की सीमा पर स्थित एक पहाड़ी इलाके के मालिकाना हक को लेकर दो कबीलों के बीच हुई सशस्त्र झड़पें सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहीं। अफगानिस्तान की प्रमुख समाचार एजेंसी खामा प्रेस के मुताबिक, यह झड़प खोस्त प्रांत के स्पाइरा जिले के बोरी खेल कबीले और पक्तिका प्रांत के गियान जिले के गियान खेल कबीले के लोगों के बीच शुरू हुई। स्थानीय रिपोर्टों का हवाला देते हुए एजेंसी ने बताया कि दोनों पक्षों ने संघर्ष के दौरान हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। इससे लंबे समय से चल रहे जमीन विवाद के और बढ़ने की चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवादित पहाड़ स्पाइरा और गियान जिलों के बीच स्थित है। यह इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, जिनमें कीमती पाइन नट के पेड़ भी हैं। लोगों का कहना है कि इन्हीं संसाधनों की वजह से जमीन के मालिकाना हक, उपयोग और नियंत्रण को लेकर मतभेद और बढ़ गए हैं। कई दशकों से यह विवाद समय-समय पर सशस्त्र झड़पों का कारण बनता रहा है। स्पाइरा जिले के निवासी शाह मीर खान ने कहा कि पहले भी इस पहाड़ को लेकर हुई झड़पों में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। उनका दावा है कि इस विवाद से जुड़े पुराने संघर्षों में करीब 80 लोग मारे गए या घायल हुए थे। हालांकि, इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। रेडियो हुर्रियत के अनुसार, हालात को और बिगड़ने से रोकने और दोनों पक्षों को अलग करने के लिए तालिबान बलों को इलाके में तैनात किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस पहाड़ को लेकर विवाद की जड़ दोनों समुदायों के ऐतिहासिक मालिकाना दावों में है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस क्षेत्र को लेकर तनाव कई पीढ़ियों से चला आ रहा है। यह विवाद अक्सर प्राकृतिक संसाधनों, चराई की जमीन और जंगलों तक पहुंच से जुड़ा रहता है। रेडियो हुर्रियत का कहना है कि यह व्यापक विवाद लगभग 80 वर्षों से जारी है और इस दौरान दोनों पक्षों के 250 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

हर जमानत के बाद केसः क्यों नहीं हो रही चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई? वकील बोले- 'सरकार चाहे तो मिल सकती है आजादी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू संत और सनातनी समुदाय के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से पैरवी कर रही कानूनी टीम ने उनकी रिहाई की प्रक्रिया में हो रही देरी पर गंभीर चिंता जताई है। वकीलों का कहना है कि जिस तरह से मामले को लगातार लंबा खींचा जा रहा है, उससे यह संकेत मिलता है कि सरकार की ओर से उनकी शीघ्र रिहाई को लेकर पर्याप्त राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई जा रही है।

आखिर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी कब और क्यों हुई : चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने एक रैली के दौरान राष्ट्रीय ध्वज का कथित रूप से अपमान किया। उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और 27 नवंबर 2024 को चटगांव कोर्ट परिसर के बाहर उनके समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं।

जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर क्यों नहीं आ सके : हालांकि चिन्मय कृष्ण दास को मूल देशद्रोह मामले और उसके बाद दर्ज कुछ अन्य मामलों में जमानत मिल चुकी है, लेकिन नए मुकदमों की वजह से उनकी रिहाई अब भी नहीं हो सकी है। उनके खिलाफ लगातार नए मामले दर्ज होने से वे अब भी जेल में बंद हैं।

वकील ने सरकार पर क्या आरोप लगाए? सोमवार को एएनआई से बातचीत में चिन्मय कृष्ण दास के बचाव पक्ष के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य तंत्र लगातार नए मुकदमे जोड़कर उनके मुवक्किल को जेल में रखने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार वास्तव में चाहती, तो बहुत कुछ संभव हो सकता था, लेकिन इस मामले को जानबूझकर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।'

अब तक चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कितने मामले दर्ज हुए हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ कुल छह मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला 24 अक्टूबर 2024 को देशद्रोह का दर्ज हुआ था। इसके बाद 25 नवंबर 2024 को उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के समय चिन्मय कृष्ण दास रंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद घरेलू उड़ान से चटगांव जा रहे थे। ढाका में ट्रांजिट के दौरान हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें हिरासत में लिया गया।

हर बार जमानत के बाद नए मुकदमे क्यों दर्ज किए गए : बचाव पक्ष के अनुसार, देशद्रोह मामले में 4 मई 2025 को हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन जमानत मिलने के महज दो दिन बाद उनके खिलाफ पांच नए मामले दर्ज कर दिए गए और इन्हीं मामलों में उन्हें फिर से गिरफ्तार दिखा दिया गया। वकील ने कहा कि यह घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा करता है कि हर बार जमानत मिलने के बाद नए कानूनी मामले जोड़कर उनकी रिहाई टालने की कोशिश की गई।

इन नए मामलों में कौन-कौन से आरोप शामिल हैं : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, पांच नए मामलों में अलीफ हत्याकांड, तोड़फोड़, विस्फोटक पदार्थ से जुड़ा मामला और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मामलों में जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। पहले हाईकोर्ट ने नियम (रूल) जारी किया और सुनवाई पूरी होने के बाद सोमवार को इनमें से दो मामलों में जमानत दे दी गई।

अब आगे कानूनी प्रक्रिया क्या होगी : फिलहाल चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ शेष मामलों की सुनवाई चटगांव के स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में चल रही है। स्थानीय अदालत ने हाल ही में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस पर बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि हम बिना किसी देरी के इस मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट जाएंगे। हाईकोर्ट ने शेष दो मामलों में जमानत याचिका पर सुनवाई 16 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है।

चिन्मय कृष्ण दास की क्या मांग रही है : चिन्मय कृष्ण दास लंबे समय से बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून बनाने, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रिब्यूनल स्थापित करने और अल्पसंख्यक मामलों के लिए अलग मंत्रालय बनाने की लगातार मांग की है।

भारत पर नए टैरिफ लगाकर बुरे फंसे ट्रंप, अमेरिका के 25 राज्यों ने ठोक दिया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर नए टैरिफ लगाकर घर में ही घिर गए हैं। बंधुआ मजदूरी का हवाला देकर भारत सहित 60 देशों पर टैक्स लगाने के बाद अब अमेरिका के 25 राज्यों ने उन पर मुकदमा ठोक दिया है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने अपने 60 ट्रेड पार्टनर्स पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इसे लेकर ही अमेरिका के 25 राज्यों के गठबंधन ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिका के इन राज्यों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन टैरिफ थोपने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल कर रहा है। उनके मुताबिक सुप्रीम कोर्ट टैरिफ को पहले ही निरस्त कर चुकी है। ऐसे में ट्रंप सरकार के पास इस नए टैरिफ लगाने का कोई आधार नहीं है।

'गैर-कानूनी तरीके से थोपा जा रहा टैरिफ' : राज्यों ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत लागू नए टैरिफ को लेकर सवाल उठाए हैं। राज्यों का तर्क है कि धारा 301 का इस्तेमाल किसी खास देश या कंपनी की नीतियों की जांच के लिए होता है, न कि सभी अमेरिकी आयात पर एक साथ टैरिफ लगाने के लिए। राज्यों ने यह आरोप भी लगाए हैं कि आमतौर पर 1 साल में पूरी होने वाली जांच प्रक्रिया को केवल 2-ढाई महीने में जल्दबाजी में पूरा दिखाकर बंधुआ मजदूरी रोकने का बहाना बनाया गया है। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स और ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट में हारने के बाद अब नया कानूनी बहाना बनाकर फिर से आम परिवारों और कारोबारों पर गैर-कानूनी तरीके से टैरिफ थोप रहा है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये टैरिफ उन देशों पर लगाए गए हैं जो देश बंधुआ मजदूरी से बने सामान के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। हालांकि कड़े कदम उठाने के बाद देशों को छूट भी मिली थी। इनमें से एक भारत था। इस प्रस्ताव के तहत भारत पर पहले 12.5 फीसदी टैक्स लगाने की बात चल रही थी। हालांकि बाद में इसे घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया। वहीं कुछ आवश्यक चीजों को टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, खाद जैसी चीजें शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर कई कानूनी लड़ाई हार चुके हैं। इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को असंवैधानिक बता दिया था। सुप्रीम कोर्ट के झटके के बाद ट्रंप ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत वैश्विक टैरिफ लगा दिए। हालांकि कोर्ट ने बाद में इसे भी गैर-कानूनी माना। अब ट्रंप प्रशासन ने धारा 301 का सहारा लिया है।

पूर्वी अफ्रीका में भूस्खलन से 14 मौतें, कई लापता; इथियोपिया में धार्मिक आयोजन के समय तबाही

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में सोमवार सुबह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

क्या धार्मिक अनुष्ठान के दौरान हुआ हादसा : यह हादसा त्सादकाने देब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण के धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे। यह अनुष्ठान लंबे समय से बीमारियों से राहत और आध्यात्मिक उपचार की मान्यता से जुड़ा माना जाता है।

कई लोग अब भी मलबे में फंसे : डायोसीज के महाप्रबंधक मेगाबे हादिस नेका तिबेब अबाबू के अनुसार, हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों में से 11 का अंतिम संस्कार मठ परिसर में कर दिया गया है, जबकि अन्य के शव उनके गृह नगर भेजे गए हैं। कुछ शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

राहत-बचाव अभियान जारी : गंभीर रूप से घायल लोगों को नॉर्थ शेवा प्रशासनिक क्षेत्र की राजधानी देब्रे बिरहान के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आपदा प्रबंधन विभाग की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान में जुटी हुई है।

लगातार बढ़ रही हैं ऐसी प्राकृतिक आपदाएं : इथियोपिया में जून से सितंबर तक चलने वाले बारिश के मौसम के दौरान भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं आम हो गई हैं। जुलाई 2024 में दक्षिणी इथियोपिया में हुए भूस्खलन में कम से कम 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि इसी वर्ष की शुरुआत में गामो क्षेत्र में भी ऐसे ही हादसे में 100 से अधिक लोगों की जान गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण देश में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

आतंकियों का काल बना 'अननोन', मारे 30 से ज्यादा लश्कर, पाकिस्तान में कौन कर रहा ऑपरेशन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के एक वरिष्ठ कमांडर ने पहली बार खुलेआम यह बात स्वीकार की है कि पिछले तीन से चार वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कई शहरों में संगठन के 30 से अधिक सदस्य मारे जा चुके हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अननोन' पर फोड़ा है। लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी संगठन जेकेयूएम के एक आतंकवादी ने पहली बार खुलेआम स्वीकार किया है कि पिछले तीन से चार सालों में पाकिस्तान और पीओके के कई प्रमुख शहरों में संगठन के 30 से ज्यादा सदस्य मारे गए हैं। उसने इन हत्याओं का ठीकरा भारत से जुड़े 'अज्ञात बंदूकधारियों' यानी 'अननोन गनमैन' पर फोड़ा है। यह बयान लश्कर के अंदरूनी हलकों में हड़कंप मचाने वाला माना जा रहा है, क्योंकि अब तक संगठन इस तरह के नुकसान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से बचता रहा है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल : यह चौंकाने वाला खुलासा रिजवान हनीफ ने एक भाषण में किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिजवान हनीफ लश्कर-ए-तैयबा के पीओके ग्रुप का सीनियर कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह सीमा पार घुसपैठ के संचालन, नए आतंकियों की भर्ती और पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट जैसे प्रॉक्सी संगठनों के साथ समन्वय करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। उसके इस भाषण ने न सिर्फ लश्कर के अंदर, बल्कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के बीच भी चर्चा छेड़ दी है। अपने भाषण में रिजवान हनीफ ने दावा किया कि पिछले तीन-चार वर्षों के दौरान पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद समेत कई शहरों में लश्कर-ए-तैयबा के 30 से अधिक सदस्यों की हत्या कर दी गई। उसने कहा कि ये हमले किसी आम अपराधिक घटना की तरह नहीं, बल्कि संगठित तरीके से अंजाम दिए गए। हनीफ के अनुसार, इन हत्याओं के पीछे 'अज्ञात बंदूकधारी' सक्रिय थे, जिन्हें उसने भारतीय एजेंट बताया। हालांकि, उसने इस गंभीर आरोप के समर्थन में कोई ठोस सबूत, नाम या दस्तावेज पेश नहीं किया। हनीफ ने बार-बार यह दोहराया कि ये हत्याएं अचानक नहीं हुईं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही एक श्रृंखला का हिस्सा हैं। उसने संगठन के सदस्यों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अननोन' अब लश्कर के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। उसके शब्दों में, पाकिस्तान और पीओके के अंदर सुरक्षित समझे जाने वाले इलाकों में भी लश्कर के कार्यकर्ता अब सुरक्षित नहीं रह गए हैं। भाषण के दौरान रिजवान हनीफ ने हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक और विषैली भाषा का भी इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान से रिश्ता खत्म! बलूचिस्तान 11 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा

क्वेटा, एजेंसी। भारत को बांटने का शौक पालने वाला पाकिस्तान आज खुद टूट रहा है। पीओके में जोरदार विरोध प्रदर्शनों के बीच बलूचिस्तान ने अपने स्वतंत्रता दिवस की तारीख भी फिक्स कर दी है। बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाएएगा। बलोच नेता इसके लिए दुनियाभर के देशों से समर्थन की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान कीतरफ से लोगों से अपील की गई है कि वे 11 अगस्त को बलोच एकता दिखाएं और स्वतंत्रता दिवस मनाएं।

पाकिस्तान के बाहर भी मनेगा जश्न : बलोचि लिबरेशन नेता मीर यार बलोच ने कहा कि 11 अगस्त को लोग स्वतंत्र बलूचिस्तान का झंडा अपने घरों मं फहराएं। इसके साथ ही आस-पास, बाजार, दुकानों और सार्वजनिक जगहों पर रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान का झंडा लगाया जाए। बलोच नेता ने अपने बायन में कहा कि हर साल अब 11 अगस्त को ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाले बलोच लोग भी इस दिन स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएंगे। बलोच नेताओं ने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों ने ना कवल इस क्षेत्र में बल्कि बाहर भी बहुत बुरा असर डाला है। चाहे कश्मीर के लिए जहर उगलना हो. बलूचिस्तान में सैन्य कार्रवाई हो, सोवियत-अफगान युद्ध में शामिल होना या फिर परमाणु टेस्टिंग। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नीतियों की वजह से केवल खून बहता है।

दुनियाभर से समर्थन की मांग : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान ने अपने बयान में कहा है कि पाकिस्तान के साथ रहकर बलूचिस्तान कभी समृद्ध नहीं हो सकता। ऐसे में पूरी दुनिया को उनका समर्थन करना चाहिए जिससे कि इस क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सके।

11 अगस्त को क्यों स्वतंत्रता दिवस : रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के मुताबिक पहली बार 11 अगस्त 1947 को ही बलूचिस्तान को स्वतंत्र घोषित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घोषणा को तवज्जो भी दी थी।उस समय भारत और पाकिस्तान का बंटवारा भी नहीं हुआ था। दावा है कि ऑल इंडिया रेडियो और न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यह खबर चलाई थी। इसी आधार पर बलूचिस्तान 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता रहा है और आगे भी मनाता रहेगा। भारत-पाक बंटवारे के बाद पाकिस्तान 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने लगा।

दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश ने अपना नाम बदला:अब 'नौरू' नहीं 'नाओएरो' कहलाएगा

यारेन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में बसे दुनिया के तीसरे सबसे छोटे देश नौरू ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अपना नाम बदल दिया है। अब यह देश आधिकारिक तौर पर 'रिपब्लिक ऑफ नाओएरो' कहलाएगा। संयुक्त राष्ट्र (ह्र) ने भी अपने रिकॉर्ड में नया नाम लागू कर दिया है। करीब 12 हजार आबादी वाले इस द्वीपीय देश का कहना है कि 'नाओएरो' उसका असली नाम है, जबकि 'नौरू' विदेशी लोगों की सुविधा के लिए प्रचलन में आया था। अब सरकार का मानना है कि समय आ गया है कि देश दुनिया के सामने अपनी मूल पहचान के साथ जाना जाए। नाओएरो इक्कीसवीं सदी में ऐसा आठवां देश बन गया है जिसने अपना नाम बदला है। इससे पहले तुर्किये ने 2022 में ऐसा किया था।

शादी में विवाद के बाद 10 साल तक गृहयुद्ध चला : 19वीं सदी के आखिर तक नाउरू एक छोटा-सा द्वीप था, जहां 12 स्थानीय जनजातियां रहती थीं। यहां कोई आधुनिक सरकार या सेना नहीं थी। लोगों का जीवन मछली पकड़ने, नारियल की खेती और समुद्र से मिलने वाले संसाधनों पर निर्भर था। 1870 के दशक में यूरोपीय व्यापारी नाउरू पहुंचने लगे। वे यहां नारियल और दूसरे सामान का व्यापार करते थे। बदले में उन्होंने स्थानीय लोगों को शराब और बंदूकें बेचना शुरू कर दिया। इससे द्वीप का सामाजिक संतुलन बिगड़ने लगा। 1878 में एक शादी समारोह के दौरान रीति-रिवाज को लेकर बहस हुई। बहस के बीच एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर गोली चला दी, जिससे एक कबीलाई प्रमुख के बेटे की मौत हो गई। नाउरू की पारंपरिक संस्कृति में ऐसी हत्या का बदला लेना सामाजिक जिम्मेदारी माना जाता था। यहीं से बदले का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे पूरे द्वीप के 12 कबीलों के बीच गृहयुद्ध में बदल गया। यह संघर्ष करीब 10 साल तक चला, जिसे नाउरू सिविल वॉर के नाम से जाना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मारे गए, कई गांव उजड़ गए और लगभग हर परिवार किसी न किसी रूप में इस हिंसा से प्रभावित हुआ। हालात इतने खराब हो गए कि आखिरकार 1888 में जर्मनी ने हस्तक्षेप कर द्वीप पर नियंत्रण स्थापित किया, हथियार जब्त किए और इस लंबे खूनी संघर्ष को समाप्त कराया।

जर्मनी के बाद ऑस्ट्रेलिया ने नौरू पर कब्जा किया : 1914 में प्रथम विश्व युद्ध शुरू होते ही हालात बदल गए। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने बिना ज्यादा प्रतिरोध के नाओएरो पर कब्जा कर लिया। युद्ध खत्म होने के बाद जर्मनी हार गया और उसे अपने कई विदेशी उपनिवेश छोड़ने पड़े। करीब पांच दशक तक विदेशी सरकार के कब्जे में रहने के बाद नाओएरो को 31 जनवरी 1968 को पूर्ण स्वतंत्रता मिली और यह एक संप्रभु गणराज्य बन गया।

माफी नहीं मांगते तो तबाह हो जाते 3 ठिकाने; यूक्रेन पर हमले की तैयारी में था ईरान, अब दी बड़ी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। कैस्पियन सागर में एक ईरानी कारोबारी जहाज पर हुए हालिया ड्रोन हमले ने तेहरान और कीव को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान ने दावा किया है कि वह यूक्रेन के भीतर तीन रणनीतिक ठिकानों पर जवाबी हमला करने की पूरी तैयारी कर चुका था, लेकिन ऐन वक्त पर यूक्रेनी सरकार द्वारा मांगी गई 'माफी' के बाद इस सैन्य ऑपरेशन को रोक दिया गया।

ईरान-यूक्रेन में क्या था विवाद : विवाद की शुरुआत 25 जुलाई को हुई, जब कैस्पियन सागर में ईरान के एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। यूक्रेन का आधिकारिक तौर पर कहना है कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था और यह महज एक तकनीकी गलती थी। हालांकि, ईरान इस सफाई को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। तेहरान का मानना है कि उसके पास ऐसे पुख्ता सबूत हैं जो बताते हैं कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियोजित थी। यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने था ईरान ईरान के सुप्रीम लीडर के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार और IRGC के पूर्व कमांडर मेजर जनरल मोहसन रेजाई ने सरकारी टेलीविजन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि ईरानी सेना ने यूक्रेन के तीन ठिकानों को निशाना बनाने के लिए अपनी तैयारी पूरी कर ली थी। रेजाई के अनुसार, कीव की ओर से यह स्पष्टीकरण आने के बाद कि हमला एक चूक थी, जवाबी कार्रवाई को फिलहाल टाल दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि तेहरान केवल बयानों से संतुष्ट नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ईरान अब यह देख रहा है कि यूक्रेन अपनी 'गलती' के दावे को साबित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

बघाई ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के उन सार्वजनिक बयानों का भी जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कैस्पियन सागर के पास रूसी सैन्य ठिकानों पर लंबी दूरी के हमलों की बात कही थी। ईरान इसे हमले के इरादे के सबूत के तौर पर देख रहा है।

आगे क्या होगा : ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने भी इस

मामले पर यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा से बात की है। यूक्रेन ने भरोसा दिलाया है कि वह तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपने नुकसान की भरपाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कार्रवाई करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यूक्रेन ने इस मामले में ठोस राजनयिक समाधान नहीं निकाला, तो यह विवाद एक नए युद्ध के मोर्चे में तब्दील हो सकता है।

एपस्टीन का द्वीप खरीदने वाला ताकझांक से परेशान : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात निजी द्वीप लिटिल सेंट जेम्स और ग्रेट सेंट जेम्स अब एक नई वजह से चर्चा में हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, द्वीप खरीदने वाले अरबपति निवेशक स्टीफन डेकऑफ के लिए ये प्रॉपर्टी अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट बनाने वालों की वजह से बड़ी परेशानी बन गई है। डेकऑफ ने 2023 में दोनों द्वीप लगभग 6 करोड़ डॉलर (571 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनको यहां एक लग्जरी रिसॉर्ट बनाना था, लेकिन चार साल बाद भी ऐसा न हो सका। इस बीच कई यूट्यूबर, इन्फ्लुएंसर व कंटेंट क्रिएटर बिना अनुमति द्वीप पर पहुंचकर वीडियो बना रहे व ताकझांक कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे एपस्टीन से जुड़े रहस्यों की सच्चाई सामने लाना चाहते हैं। एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोप थे। 2019 में उसकी जेल में मौत हो गई थी, लेकिन उससे जुड़ी जानकारियों को लेकर आज भी लोगों में काफी दिलचस्पी है।

पिपंल्स, फटी एड़ियां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ- साथ आपकी त्वचा को स्वस्थ एवं सुंदर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। जी हां शायद त्वचा पर अनानास का इस्तेमाल करना कोई जानता हो, लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर अनानास को सिर्फ खाया या जूस बनाकर पिया ही नहीं जा सकता, बल्कि अपनी त्वचा एवं बालों पर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए यहां हम आपको त्वचा पर अनानास के इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं, जो कील-मुंहासों से लेकर आपकी फटी एड़ियों को सही करने का भी बेहतर विकल्प हो सकता है। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

पिंपल्स के लिए

पिंपल्स की समस्या से लगभग हर कोई परेशान रहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के चेहरे पर कील-मुंहासे ज्यादा होते हैं और कुछ के कभी-कभार। चेहरे पर पिंपल्स न केवल आपकी सुंदरता पर दाग के समान होते हैं, बल्कि कई बार यह काफी तकलीफदायक भी होते हैं। ऐसे में पिंपल्स की समस्या में अनानास फायदेमंद साबित हो सकता है। अनानास में मौजूद विटामिन-सी मुहांसों से निजात पाने में असरदायक है। इसके अलावा इसमें मौजूद ब्रोमेलिन विटामिन-सी के असर को बढ़ाता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक पका अनानास लें और उसका रस निकाल लें। अब आप इस रस को रूई की मदद से रात को सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। पिंपल्स होने पर आप रोजाना ऐसा करें आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आएगा और आप बाकी लोगों को भी यह नुक्शा जरूर बताएंगे।

त्वचा को रखे हाइड्रेट

अनानास कील-मुहासों को दूर करने के साथ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट एवं चमकदार बनाए रखता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं लगती। इसके लिए आप अनानास को अच्छे से छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें। इसके बाद आप इसमें अंडे की जर्दी और 2 चम्मच दूध मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। अब इस तैयार पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से चेहरा धो लें। यह आपकी त्वचा को तरोताजा एवं हाइड्रेट रखेगा।

जवां त्वचा पाएं

अनानास आपकी त्वचा में निखार लाने एवं त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। अनानास शरीर में कोलेजन सिंथेसिस को बढ़ावा देता है। कोलेजन की सही मात्रा होने से त्वचा में लचीलापन आता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन-सी और अमीनो एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। जवां त्वचा पाने के लिए आप अनानास का खाने के साथ इसका जूस पी सकते हैं। इसके अलावा आप इसका फेस मास्क भी बना सकते हैं। इसके लिए आप अनानास को छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें और इसका पेस्ट बना लें। अब इसमें आप 1 चम्मच शहद और चाहें, तो एलोवेरा जेल डाल लें और इससे बना पेस्ट अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

फटे होंठ करें मुलायम

फटे होंठों को मुलायम बनाने में अनानास मददगार है। यह आपके होंठों को मॉश्चराइज रखता है, जिससे होंठ रूखे नहीं रहते। इसके लिए आप अनानास के रस में थोड़ा-सा नारियल का तेल मिलाएं और रोजाना रात को साने से पहले अपने होंठों पर लगाएं। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, इससे आपके फटे होंटों की समस्या दूर होगी।

फटी एड़ियों के लिए अनानास और शहद

फटी एड़ियों की समस्या से काफी लोग परेशान रहते हैं, जिसके लिए लोग दर्द में राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन दर्द ही नहीं, बल्कि फटी एड़ियों के कारण आपको अपने पैरों को छुपाना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसी सैंडल का चयन करते हैं, जिनमें आपकी एड़ियां न दिखें, लेकिन अब आपको इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको इसके लिए उपाय बता रहे हैं। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो अनानास बेहतर विकल्प हो सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए अनानास के एक टुकड़े पर शहद एवं चीनी मिलाकर लगाएं और इसे एड़ियों पर रगड़ते हुए स्क्रब करें। इसके अलावा, आप इन तीनों चीजों का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए ऐसा करते हैं, तो आपकी एड़ियां साफ हो जाएंगी।

बिना चोट के रक्तस्राव को कतई न करें नजरअंदाज

यदि बिना कोई चोट लगे नाक और मसूड़ा समेत शरीर के बाहर और भीतर के किसी अंग से खून निकल रहा है और इलाज के बाद भी यदि खून का निकलना बंद नहीं हो रहा है, तो इसको लेकर संजीदा हो जाएं। तुरंत ही बिना लापरवाही किए परार्मस के लिए डॉक्टर के पास पहुंचे और तुरंत कुछ जरूरी जांच कराएं। इसके साथ ही इससे संबंधित दवाईयां भी शुरू करें, चूंकि यह हीमोफिलिया के लक्षण हैं।

हीमोफिलिया ज्यादातर आनुवांशिक बीमारी है। यह कभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं होती है और इससे पीड़ित लोगों को जीवनभर इलाज की जरूरत होती है। इसलिए हीमोफिलिया के इलाज में विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। इसके इलाज में मरीज को भावात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। मरीज के साथ मित्रवत व्यवहार जरूर करना चाहिए। यह जानकारी हिमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सोनिया नित्यानंद और डॉ. रुचि गुप्ता ने दी।

विशेषज्ञों ने जांच करने के तरीके के बारे में बताया

विशेषज्ञों ने एक वर्कशाप में गोरखपुर, मेरठ, दिल्ली, कश्मीर, उदयपुर और देहरादून मेडिकल कॉलेज से आए पैथालॉजिस्ट और लैब टेक्निशियनों को हीमोफिलिया की जांच के बारे में जानकारी दी। पीजीआई के हिमेटोलॉजी विभाग के डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. रुचि गुप्ता और डॉ. दिनेश चंद्रा ने इन्हें बेसिक और स्पेशल जांच के सैंपल लेने से लेकर इनकी जांच की विधि बताई। इनमें प्रोथ्रोम्बिन टाइम (पीटी), एक्टीवेटेट पार्शियल थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम , कम्पलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), फिब्रिनोजेन, फैक्टर एएसएसएवाई, मिक्सिंग स्टडी समेत अन्य कई जांचों के बारे में बताया। इन्हें लैब में सैम्पल के जरिए जांच कर दिखाई भी गई। डॉ. रुचि गुप्ता ने बताया कि जांच में जितनी जल्दी पुष्टि हो जाती है, उतनी जल्द मरीज का इलाज शुरू हो जाता है।

रेसिपी

आलू कचौड़ी

सामग्री

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

हॉट एंड सॉर सूप

सामग्री

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दूकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरुम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

काकुरो पहेली - 1798

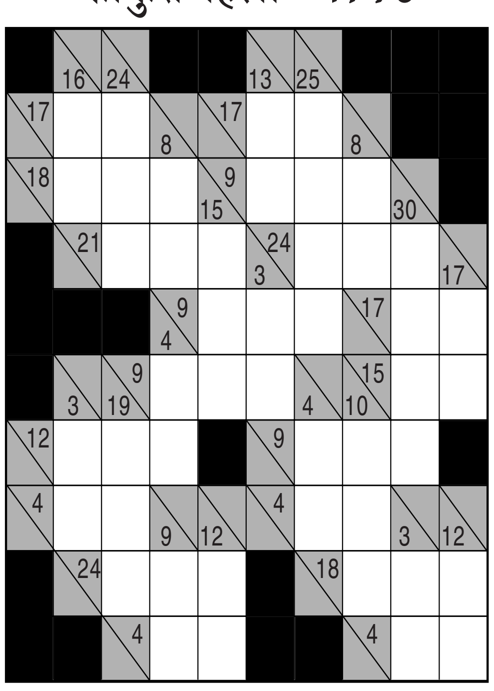

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

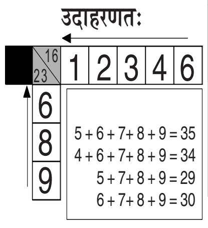

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1797 का हल

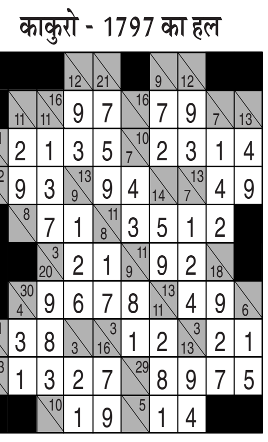

लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1798

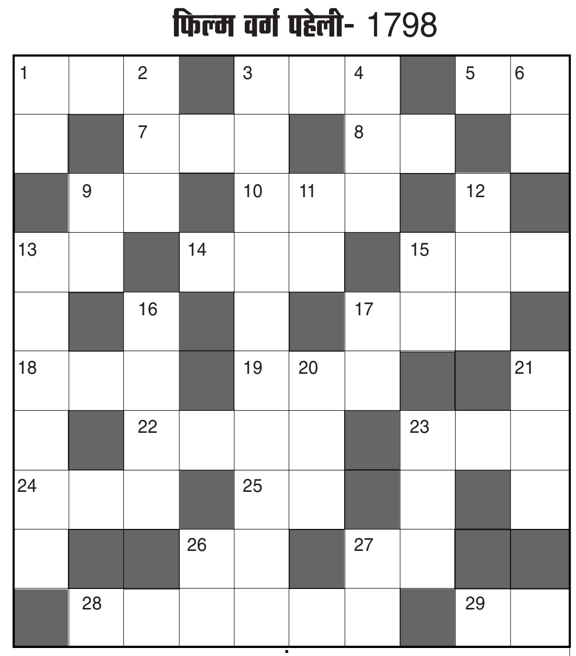

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1797

सूडोकु -1798

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1797 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1798

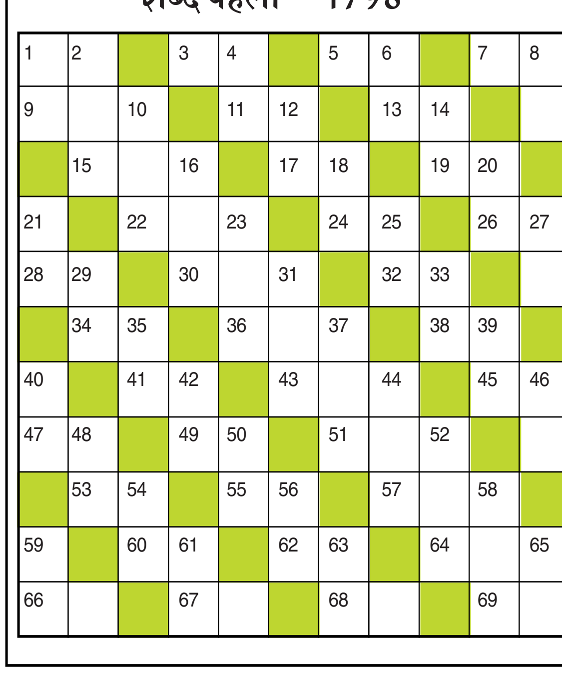

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली - 1797 का हल

गढ़चिरौली में माओवादियों के हथियारों का जखीरा ज़ब्त

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में गढ़चिरौली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की ओर से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित कुमनार जंगल क्षेत्र में किए गए संयुक्त तलाशी अभियान में कुल 14 हथियार, आईईडी समेत विस्फोटक सामग्री तथा अन्य सैन्य उपयोग का सामान बरामद किया है। गढ़चिरौली पुलिस ने बताया कि इन हथियारों का इस्तेमाल सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने के लिए किया जाना था। 'नक्सल सप्ताह' से पहले सुरक्षा बलों को मिले गोपनीय इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। यह सभी हथियारों का जखीरा माओवादियों ने कुमनार जंगल में ज़मीन के नीचे छिपाकर रखे थे। पुलिस के मुताबिक, यह अभियान हाल ही में स्थापित बांगड़ी पुलिस सहायता केंद्र के अधिकार क्षेत्र में चलाया गया, जिसे सुरक्षा बलों की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। इस संयुक्त अभियान में गढ़चिरौली पुलिस, सी-60 कमांडो, सीआरपीएफ, स्पेशल ऑपरेशन्स स्क्वाड तथा बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) की टीमों ने हिस्सा लिया। कई समन्वित तलाशी अभियानों के दौरान हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, डेटोनेटर, संचार उपकरण और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई।

लाल सागर में भारतीय जहाज पर हमले की भारत ने की कड़ी निंदा इतिहास

नई दिल्ली। भारत सरकार ने यमन के तट के निकट लाल सागर में भारतीय ध्वज वाले वाणिज्यिक पोत एमएसवी फैजे नूरे ओलिया पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले के बाद पोत डूब गया, हालांकि उसमें सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यमन के संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय समन्वय कर रहा है। भारत ने राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग के लिए यमन के अधिकारियों का आभार भी व्यक्त किया। भारत ने कहा कि क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमले अत्यंत चिंताजनक हैं। ऐसे हमले वैश्विक समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। विदेश मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि क्षेत्र में व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाने की घटनाएं तत्काल बंद होनी चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप लाल सागर और आसपास के अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर स्वतंत्र, निर्बाध और सुरक्षित नौवहन तथा व्यापार जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

दतिया उपचुनाव में हार के बाद भाजपा की बड़ी कार्रवाई, जिला-मंडल से बूथ तक की कार्यकारिणी भंग

भोपाल। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर उप चुनाव में मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी नेतृत्व ने जिला कार्यकारिणी समेत दतिया के सभी मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकल्प और विभागों की इकाइयों को भंग कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने रात दतिया उपचुनाव में हार की समीक्षा के लिए बनाई गई विशेष समिति की अनुशंसा यह कार्रवाई की है। दरअसल, मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित वरिष्ठ नेताओं की उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। बैठक के बाद दतिया उप चुनाव के परिणाम की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समिति गठन के छह घंटे बाद ही भाजपा संगठन ने दतिया जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह कुशवाह सहित जिला पदाधिकारियों, जिला कार्य समिति, मंडल मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकल्प एवं विभागों की समस्त वर्तमान संगठनात्मक इकाइयां तत्काल प्रभार से पदमुक्त कर दीं। समिति की जांच रिपोर्ट से पार्टी संगठन ने केंद्रीय नेतृत्व को भी अवगत कराया और इसके बाद रात कार्रवाई की गई।

विपक्ष सांसदों का सरकार पर तंज, कहा-'पीएम और गृह मंत्री संसद में अनुपस्थित रहकर जिम्मेदारी से भाग रहे'

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्षी दलों ने सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में उपस्थित होकर जवाब देने की मांग दोहराई। सांसदों ने संसद परिसर और प्रेरणा स्थल पर विरोध-प्रदर्शन करते हुए चर्चा और जवाबदेही की मांग की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सरकार और प्रधानमंत्री का संदेश लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलने आए थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष शुरू से ही चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा चाहता है क्योंकि यह पूरे देश से जुड़ा विषय है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उन घटनाओं पर बयान की मांग कर रहा है, जिनमें छात्रों पर कथित गोलीबारी और अत्याचार के आरोप लगे हैं। उन्होंने बिहार की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य गंभीर परिस्थितियों का सामना कर रहा है और लोगों की सोच बदल रही है। विपक्ष केवल बहस और चर्चा चाहता है, जबकि सरकार इस पर सहमत नहीं है। सरकार संसद में पर्याप्त चर्चा के बिना अपनी मर्जी से कानून पारित करना चाहती है, जिसका विपक्ष विरोध कर रहा है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने भी सरकार पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष चाहता है कि गृह मंत्री सदन में आकर विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करें और देश के सामने मौजूद महत्वपूर्ण मामलों पर अपना पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को भी संसद में उपस्थित होकर देश से जुड़े सवालों का जवाब देना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ही संसद में अनुपस्थित रहकर अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं।

सरायकेला में 22 लाख के तीन इनामी नक्सली गिरफ्तार, एके-47 समेत कई हथियार बरामद

गिरफ्तार नक्सलियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो, पांच लाख रुपये का इनामी रवि सरदार और दो लाख रुपये की इनामी उसकी पत्नी मीना शामिल हैं।

एजेंसी

सरायकेला । झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में पुलिस और सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 22 लाख रुपये के इनामी तीन माओवादी नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो, पांच लाख रुपये का इनामी रवि सरदार और दो लाख रुपये की इनामी उसकी पत्नी मीना शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से एक एके-47 राइफल, एक पिस्टल, कारतूस और नक्सली गतिविधियों से जुड़े अन्य सामान बरामद किए हैं।

तीनों के खिलाफ सरायकेला-खरसावां सहित पड़ोस के जिलों के थानों में कई वारदात दर्ज हैं। पुलिस को मिली खुफिया सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम ने संभावित ठिकानों की घेराबंदी कर तीनों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से अत्याधुनिक हथियार और अन्य सामग्री बरामद की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मदन महतो पर राज्य सरकार ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। वह लंबे समय से सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था और कई नक्सली अभियानों में उसकी भूमिका सामने आई थी। रवि सरदार पर पांच लाख रुपये और उसकी पत्नी मीणा पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार, दोनों संगठन के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि उनसे नक्सली संगठन के नेटवर्क, हथियारों की आपूर्ति, अन्य सक्रिय उग्रवादियों और हाल के वर्षों में हुई नक्सली घटनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। इन सूचनाओं के आधार पर आगे भी अभियान चलाया जाएगा। कोल्हान क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। हाल के महीनों में कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी मिसिर बेसरा समेत कई उग्रवादियों की गिरफ्तारी भी हुई है।

संसद में 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का सिद्धांत लागू हो : शांता कुमार

एजेंसी

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने संसद में बढ़ते हंगामे और घटती सार्थक चर्चा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संसद में सार्थक चर्चा कम और हंगामा अधिक देखने को मिलता है। उन्होंने मांग की कि संसद में काम नहीं तो वेतन नहीं का सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए। शांता कुमार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कई बार संसद का पूरा सत्र बिना किसी चर्चा के समाप्त हो जाता है, जबकि अनेक महत्वपूर्ण विधेयक भी बिना पर्याप्त बहस के पारित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि देशभक्तों के त्याग से प्राप्त लोकतंत्र आज कमजोर होता दिखाई दे रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संसद के संचालन पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। जब संसद में कामकाज ठप रहता है और केवल नारेबाजी, शोर-शराबा एवं हंगामा होता है, तब भी सांसदों को वेतन और भत्ते मिलते रहते हैं। उन्होंने मांग की कि जिन सांसदों के कारण सदन की कार्यवाही बाधित होती है और कामकाज नहीं हो पाता, उन्हें उस अवधि का वेतन और भत्ता नहीं दिया जाना चाहिए।शांता कुमार ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद केवल दो अवसरों पर पूरी तरह शांत दिखाई देती है–पहला, किसी

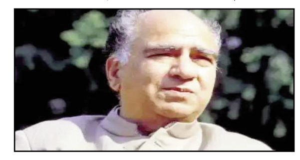

बड़े नेता के निधन पर शोक प्रस्ताव के दौरान और दूसरा, जब सांसदों के वेतन एवं भत्तों में वृद्धि से संबंधित विधेयक सदन में आता है। उन्होंने कहा कि इन दो अवसरों को छोड़कर संसद कई बार शोर सभा बनकर रह जाती है। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों और नेताओं से लोकतंत्र के बढ़ते अवमूल्यन को रोकने तथा संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए गंभीर प्रयास करने की अपील की।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने किया चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान

जनरल धीरज सेठ उत्तर भारत एरिया मुख्यालय का दौरा किया।

एजेंसी

नई दिल्ली । थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेना की मध्य कमान की विभिन्न सैन्य संरचनाओं की समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने सेना की ऑपरेशनल तैयारियों महत्वपूर्ण समीक्षा की। लखनऊ स्थित मध्य कमान मुख्यालय में सेना प्रमुख को कमान की परिचालन स्थिति, आधारभूत ढांचे के विकास, आधुनिकीकरण और युद्धक तैयारियों को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने उत्तर भारत एरिया मुख्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने सैन्य कमांडरों और सैनिकों से मुलाकात की। सेना प्रमुख ने 4 और 5 अगस्त को मध्य कमान की विभिन्न सैन्य संरचनाओं का यह दो दिवसीय दौरा किया। यहां उन्होंने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, परिचालन तैयारियों और जारी क्षमता संवर्धन पहलों की समीक्षा की। लखनऊ स्थित मध्य कमान मुख्यालय में सेना प्रमुख ने सभी रैंकों के सैनिकों को संबोधित किया। सेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशनल तैयारी, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता और आत्मनिर्भरता ही सैन्य प्रभावशीलता की आधारशिला हैं।

उन्होंने सैनिकों से सतर्क रहने, परिचालन दृष्टि से चुस्त बने रहने और भविष्य की चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहने का आह्वान किया, ताकि उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

इस दौरान सेना प्रमुख ने योद्धा सेवा सम्मान से सेवानिवृत्त मेजर जनरल हर्ष काकर, सेवानिवृत्त कर्नल अरविंद सिंह कुशवाहा, सेवानिवृत्त नायब सूबेदार राधे श्याम तथा मानद कैप्टन एवं सेवानिवृत्त रिसालदार मेजर विजय कुमार को सम्मानित किया। उन्हें सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि, खेल तथा पूर्व सैनिक कल्याण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान सक्रिय सैन्य सेवा के बाद भी राष्ट्र के प्रति उनकी निरंतर सेवा और समर्पण की भावना को मान्यता देता है।

यह दौरा भारतीय सेना के उच्च स्तर की परिचालन तैयारियों को बनाए रखने तथा तकनीकी रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार सैन्य बल के निर्माण पर उसके निरंतर ध्यान को रेखांकित करता है। गौरतलब है कि पिछले महीने के अंत में थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा की थी। वह 28 और 29 जुलाई को पूर्वी थिएटर के सैन्य गठन क्षेत्रों के दो दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने पूर्वोत्तर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, सैन्य तैयारियों और शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों की व्यापक समीक्षा की। तब सेना प्रमुख ने मणिपुर की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया था।

इसके अलावा विभिन्न सैन्य संरचनाओं की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों से बाढ़ राहत अभियानों की प्रगति की भी जानकारी ली थी।

पाकिस्तान का भारत–अफगानिस्तान के रिश्ते पर दिया विवादित बयान उनकी हताशा का प्रमाण: विदेश मंत्रालय

हाल ही में पाक सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने इसे लेकर विवादित टिप्पणी की।

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत-अफगानिस्तान के बीच बढ़ते रिश्ते पाकिस्तान को रास नहीं आ रहे। हाल ही में पाक सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने इसे लेकर विवादित टिप्पणी की। भारत ने इसे पड़ोसी मुल्क की हताशा का प्रमाण बताया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तानी प्रवक्ता की टिप्पणी भारत-अफगानिस्तान के सकारात्मक रिश्तों को लेकर पाकिस्तानी सरकार की असुरक्षा और हताशा को दिखाते हैं।' हाल ही में, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ रावलपिंडी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और अफगानिस्तान के बढ़ते रिश्तों पर ऐतराज जताया था। उन्होंने भारत और तालिबान के संबंधों को 'मालिक और गुलाम' जैसा बताया और धार्मिक आयतों का हवाला देते हुए भड़काऊ बयानबाजी की। उन्होंने अफगान मंत्री के उस बयान पर नाराजगी जताई जिसमें भारत और अफगानिस्तान के डीएनए को एक जैसा बताया गया था। पिछले कुछ महीनों में अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्ते थोड़े सहज हुए हैं। हाल ही में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के कृषि मंत्री मौलवी अताउल्लाह उमरी मंत्री ने भारत का दौरा भी किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत और अफगानिस्तान के लोगों का डीएनए एक ही है। उन्होंने दोनों देशों के बीच पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के हवाले से ये बात कही थी। उनके इसी बयान से पाकिस्तान भड़का हुआ है।

पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता ने कुरान की एक आयत का जिक्र करते हुए कहा, 'हम शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने (अफगान) यह बात मान ली। मैं आम अफगान लोगों की नहीं तालिबान सरकार की बात कर रहा हूं। आम अफगान जनता इस सरकार के जुल्म से परेशान है इसलिए दोनों का डीएनए एक जैसा नहीं हो सकता। ' उन्होंने तालिबान सरकार पर भारत के इशारों पर काम करने का आरोप लगाया था। प्रवक्ता ने तालिबान सरकार पर भी तीखे सवाल उठाते हुए कहा, 'यह सरकार महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार कर रही है। बैठे-बैठे फतवे जारी कर रही है। '

राहुल गांधी दूसरों को उपदेश देने के बजाय पहले अपनी पार्टी पर दें ध्यान : गिरिराज सिंह

'ग्रामीण बिहार में एक कहावत है: 'अपना ब्याह नहीं, सूरदास के बरतूहारी'।

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी पर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा था कि 'छात्रों को माफ करने के बजाय छात्रों से माफी मांगे।' इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को दूसरों को उपदेश देने के बजाय पहले अपनी पार्टी पर ध्यान देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'ग्रामीण बिहार में एक कहावत है: 'अपना ब्याह नहीं, सूरदास के बरतूहारी'। राहुल गांधी को दूसरों को उपदेश देने के बजाय पहले अपनी पार्टी पर ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि कहा कि देश को भविष्य में कभी भी विपक्ष का ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण नेता न मिले। उन्होंने कहा, 'भारत ने विपक्ष के कई बेहतरीन नेता देखे हैं, लेकिन इनके जैसा नेता नहीं देखा। मेरी सलाह है कि वे उनसे सीखें। आप समाज में अपनी रेटिंग कर सकते हैं। इस छात्र आंदोलन में आपकी सद्भावना शून्य थी। ' वहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा श्रीनगर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ से पहले किए गए विरोध प्रदर्शन पर भी गिरिराज सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'महबूबा मुफ्ती आतंकवादी समर्थक हैं। उन्होंने इतने दिनों तक आतंकवादियों का समर्थन किया। वह कुछ दिनों के लिए हमारे साथ रहीं। हमने सुधारने की कोशिश की। नहीं सुधरे तो हमने छोड़ दिया। ' गिरिराज सिंह ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने को ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से हम 15 अगस्त और 26 जनवरी को भारत के इतिहास का जश्न मनाते हैं, यह भी एक महान दिन है। सरदार पटेल के सपने, भारत के अनगिनत लोगों के सपने, वे सपने जो हम कहते थे कि 'एक देश, दो झंडे, दो राष्ट्रपति, नहीं चलेगा'। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, 5 अगस्त 2019 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन संवैधानिक प्रावधानों को हटा दिया। ' उन्होंने आगे कहा, 'अब 'एक देश, एक निशान, एक प्रधान, एक विधान' है। अब इसे नष्ट करने के लिए कोई पैदा नहीं हुआ है। '

बोकारो में ट्रिपल मर्डर, एक ही परिवार के तीन लोगों की बरेहमी से हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

आरोप है कि उसने कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ भी मारपीट की थी, जिसके बाद उसका इलाज चल रहा है।

एजेंसी

बोकारो । झारखंड के बोकारो जिले के नावाडीह थाना क्षेत्र के कुकुरलीलवा गांव में बुधवार सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान जानकी महतो, उनकी पत्नी और उनकी बहू के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या के आरोप में पड़ोसी राजू सिंह को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। वारदात सुबह करीब आठ बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी ने सबसे पहले वृद्ध महिला पर कुल्हाड़ी से हमला किया। उन्हें बचाने पहुंचे उनके पति जानकी महतो पर भी उसने ताबड़तोड़ वार किए। इसके बाद बहू पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। कुल्हाड़ी लेकर दौड़ रहे राजू सिंह को देखकर लोग दहशत में आ गए। कोई उसे रोकने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ जारी है।

पुलिस के मुताबिक, हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का दावा है कि आरोपी का व्यवहार लंबे समय से असामान्य था। आरोप है कि उसने कुछ दिन पहले अपनी पत्नी के साथ भी मारपीट की थी, जिसके बाद उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल है।

इस बीच, विधायक जयराम महतो ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच कर दोषी को सख्त सजा दिलाई जानी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश का झांसा देकर करोड़ों की ठगी, दो महिलाएं गिरफ्तार

निवेश के नाम पर 1.13 करोड़ की ठगी का मामला

एजेंसी

रायपुर। राजधानी रायपुर पुलिस ने 1.13 करोड़ रुपये की निवेश धोखाधड़ी के मामले का खुलासा करते हुए दो अंतरराज्यीय महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने वॉश-वॉश और ब्लैक मनी स्कैम की तर्ज पर निवेश दिलाने का झांसा देकर एक कंपनी के डायरेक्टर से करोड़ों रुपये की ठगी की थी। दोनों आरोपितों को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) तारकेश्वर पटेल के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम ने की। पुलिस के अनुसार बालोद जिले के ग्राम बोरिदकला निवासी उमेश कुमार सिन्हा ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह सालिक ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के

डायरेक्टर हैं। कंपनी के विस्तार और नए प्लांट की स्थापना के लिए करीब 45 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता थी। इसी दौरान आरोपितों ने निवेश और फंड उपलब्ध कराने का झांसा देकर उनसे संपर्क किया। आरोपितों ने खुद को प्रभावशाली लोगों से जुड़ा बताते हुए बड़े अधिकारियों से बैठक, फाइल प्रक्रिया, सुरक्षा स्वीकृति, विदेशी परीक्षण और विशेष केमिकल के नाम पर प्रार्थी को विश्वास में लिया। इसके बाद चेन्नई और नागपुर बुलाकर नकली केमिकल, विदेशी तकनीक और काले नोटों को असली नोटों में बदलने का झूठा प्रदर्शन किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने अलग-अलग बहानों से प्रार्थी से कई किश्तों में कुल 1 करोड़ 13 लाख रुपये ले लिए और बाद में राशि वापस नहीं की। शिकायत के आधार पर थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 330/26 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और डिजिटल साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण किया। इस आधार पर दो महिला आरोपितों की पहचान कर उन्हें नागपुर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपितों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने बताया कि आरोपित महाराष्ट्र के नागपुर, उत्तर प्रदेश के लखनऊ सहित देश के कई राज्यों में इसी तरह की ठगी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों की जानकारी जुटाने के लिए संबंधित राज्यों की पुलिस से समन्वय किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपितों में कनिज फातमा उर्फ भावना पांडेय (24 वर्ष), निवासी कोलकाता और दीपिका पालीवाल (24 वर्ष), निवासी उदयपुर, राजस्थान है।आरोपितों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, 26 हजार रुपये नगद, एटीएम कार्ड और आधार कार्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस फरार अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।

खाद के लिए कतार में किसान, दोगुनी लाइन में लगकर भाजपा के खिलाफ वोट देंगे : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोंडा में खाद के लिए लंबी कतारों में खड़े किसानों का वीडियो साझा करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जिन किसानों को आज खाद के लिए लाइन में लगना पड़ रहा है, वही अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ इससे भी लंबी कतार लगाकर उसे सत्ता से बाहर कर देंगे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कारण किसान परेशान हैं तथा कहा कि देश के सामने सबसे बड़ा संकट भाजपा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो जारी करते हुए लिखा कि भरी बरसात में, उप्र के गोंडा में खाद लेने के लिए लगी लाइन में लगे किसान कह रहे हैं, अगले चुनाव में इससे दोगुनी लाइन भाजपा के विरुद्ध वोट डालने के लिए लगेगी, जिससे भाजपा हमेशा के लिए बाहर हो जाएगी। जब खेत मुस्कुराएगा, तब देश मुस्कुराएगा! इसके पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भाजपाई भ्रष्टाचार' का नाला जब तक बहता रहेगा, कुछ भी नहीं बदलेगा। देश में सिर्फ़ एक संकट है और वह है 'भाजपा'। भाजपा जाए तो सब सुधर जाए। ज्ञात हो कि यूपी के गोंडा जिले में खरीफ सीजन के दौरान यूरिया और डीएपी की बढ़ती मांग के बीच सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी कतारें लगातार चर्चा का विषय बनी हुई हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के जिले में पहुंचकर खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा और छापेमारी के बावजूद कई समितियों पर किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। बारिश के बीच भी खाद लेने के लिए महिलाओं और बुजुर्ग किसानों के लाइन में खड़े रहने की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनकी सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा हुई। माधवगंज और रेतवागाड़ा साधन सहकारी समितियों पर सोमवार और बड़ी संख्या में किसान यूरिया लेने पहुंचे। कई किसानों ने सुबह से शाम तक इंतजार करने के बावजूद खाद नहीं मिलने की शिकायत की, जबकि कुछ महिलाओं ने सावन के व्रत के दौरान भी बारिश में घंटों कतार में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार किया। समिति स्तर के अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध स्टॉक का लगातार वितरण किया जा रहा है, लेकिन अचानक बढ़ी मांग और भीड़ के कारण दबाव की स्थिति बनी। कुछ स्थानों पर वितरण कार्य में लगे कर्मचारियों की अनुपस्थिति से भी अव्यवस्था की शिकायतें सामने आईं।

भारतीय टीम के अभ्यास मैच पर बारिश का साया

–खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी चिन्ताएं बढ़ीं

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गयी है। इस सीरीज के लिए दोनो ही टीमों की तैयारी पूरी है। भारतीय टीम को यहां सीरीज शुरु होने से पहले एक अभ्यास मैच भी खेलना है जिसपर बारिश का साया मंडरा रहा है। इसके अलावा प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर भी भारतीय टीम परेशान है। भारतीय टीम को 7 अगस्त से कोलंबो में तीन दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलना है पर मौसम विभाग ने इस दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 7 से 9 अगस्त तक कोलंबो में भारी बारिश होने आ अनुमान है, जिसमें पहले दिन ही 91 फीसदी बारिश हो सकती है। इसके बाद भी बाकि दिन बादल छाए रहेंगे। यहां भारतीय टीम के पहुंचने ही उसे बारिश का सामना करना पड़ा जिससे ऐसे में आगे भी अभ्यास सत्र पूरी तरह से बाधित होने की आशंका है।

भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। इसके बाद दोनो ही टीमें दूसरे टेस्ट के लिए कोलंबो रवाना होंगी, जो 23 से 27 अगस्त तक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा।

सीरीज शुरू होने से पहले ही भारतीय टीम खिलाड़ियों की फिटनेस से परेशान है। इससे भी टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गयी है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले ही सीरीज से बाहर हो गये हैं उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया है। बुमराह के अलावा हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट, नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी पीठ में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इन चोटों ने टीम की बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

डब्ल्यू डब्ल्यू ई पहलवान लेसनर ने पेशेवर कुश्ती को अलविदा कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉशिंगटन (ईएमएस)। 10 बार के डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैंपियन अमेरिकी रेसलर ब्रॉक लेसनर ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास की घोष्णा कर दी है। द बीस्ट इनकार्नेट के नाम से लोकप्रिय 49 साल के लेसनर ने द पैट मैकफी शो में कहा कि अब उनका सफर समाप्त पूरा हुआ। इसी के साथ ही खेल जगत में इस रेसलर का दो दशक लंबा करियर समाप्त हो गया है। लेसनर ने सोशल मीडिया में कहा, मैं आज दुनिया को यह बताने आया हूं कि मैंने संन्यास ले लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताहांत उनके लिए एक भावनात्मक दिन था, जब वह मिनियापोलिस में एक अंतिम हेल इन ए सेल मुकाबले में उतरे। इस मैच के साथ ही उन्होंने अपने पेशेवर कुश्ती करियर पर विराम लगाने का अंतिम फैसला कर लिया।लेसनर का करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने केवल डब्ल्यू डब्ल्यू ई ही नहीं बल्कि यूएफफसी में भी हैवीवेट चैंपियन बनकर मिश्रित मार्शल आर्ट्स की दुनिया में अपनी धाक जमाई थी। अपनी ताकत, आक्रामकता और प्रतिभा से वह खेल के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बने। लेसनर ने अपने करियर के दौरान कई डब्ल्यू डब्ल्यू ई कुश्ती मुकाबलों में छाये रहे। उन्होंने जॉन सीना, द अंडरटेकर, रोमन रेंस, कर्ट एंगल और ट्रिपल एच जैसे दिग्गजों को भी हराया।

लेसनर ने कहा कि इस साल की शुरुआत में रेसलमेनिया में जब उन्हें ओमोसने पटका था, तब उन्हें लगा था कि उनका करियर समाप्त हो गया है। उन्होंने उस क्षण को याद करते हुए कहा, जब ओमोस ने मुझे रेसलमेनिया में पटका, तो मैंने कहा, 'मैं अब और नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि मेरा करियर खत्म हो गया है।'लेकिन, जैसा कि उन्होंने बताया, खेल जगत ने उन्हें फिर से बुलाया और उनमें अभी भी कुछ ऊर्जा बाकी थी, जिसने उन्हें पिछले सप्ताहांत मिनियापोलिस में एक और हेल इन ए सेल मुकाबला लड़ने के लिए प्रेरित किया। यह उनका अंतिम प्रदर्शन साबित हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि शनिवार को हुई उनकी अंतिम उपस्थिति के साथ, उनके लिए रिंग में और बाकी सब कुछ खत्म हो जाएगा। लेसनर की इस घोषणा के साथ, पेशेवर खेल इतिहास के सबसे अनोखे और सफल करियर में से एक का अंत हो गया है।

इंग्लैंड का कोच बनना चाहते हैं स्टोक्स, खेल में वापसी से इंकार किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि वह भविष्य में टीम का मुख्य कोच बनना चाहते हैं। स्टोक्स ने हाल ही में खेल से संन्यास लिया था। जिसके बाद से ही ये उनका पहला बयान आया है। इसमें स्टोक्स ने साफ कर दिया है कि वह वापसी नहीं करेंगे। इससे पहले ये अटकलें लगायीं जा रहीं थीं कि एशेज सीरीज में वह संन्यास से वापसी कर सकते हैं पर अब ऐसी संभी संभावनाओं पर विराम लग गया है। उन्होंने कहा कि मेरा संन्यास का फैसला स्थायी है। अपने लंबे समय के लक्ष्यों और संन्यास के बाद की योजनाओं को लेकर स्टोक्स ने कहा कि वह इंग्लैंड का कोच बनकर टीम को सफल बनाना चाहते हैं।

स्टोक्स ने अपनी कोचिंग की इच्छा जताते हुए कहा, मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूं। इसमें मुख्य है कोच बनना। मैं अभी घरेलू क्रिकेट खेलते हुए ही अपना लेवल-3 कोचिंग कोर्स कर रहा हूं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि जब मैं खेलना छोड़ूं, तो मेरी सारी कोचिंग से जुड़ी चीजें पूरी हो गयी। मुझे खेल से हटकर किसी तरह से नेतृत्व की भूमिका में रहने का विचार बहुत पसंद है। स्टोक्स ने कहा कि हैरी ब्रूक को टेस्ट में कप्तान बनाया जाना चाहिये था पर इंग्लैंड बोर्ड ने उनकी जगह पर जो रुट को कप्तानी दे दी। स्टोक्स ने ब्रूक का समर्थन करते हुए कहा कि अगर किसी को अच्छा कप्तान या लीडर माना जाता है, तो उसे तुरंत यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। ब्रुक पहले से ही उपकप्तानी कर रहे थे, इसलिए उन्हें जिम्मेदारी देना सही रहता। उन्होंने रूट को अपनी शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ मिलकर कप्तान के तौर पर शानदार काम करेंगे। गौरतलब है कि साल 2022 से चार साल तक टेस्ट कप्तानी संभालने वाले स्टोक्स ने तब मुख्य कोच रहे ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर इंग्लैंड के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को आक्रामक बना दिया था। जिसे बैजबॉल के नाम से भी जाना गया। हालांकि, स्टोक्स के संन्यास की घोषणा के ठीक दो सप्ताह बाद मैकुलम ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रोल से हटने का ऐलान कर दिया। इसके बाद, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया टेस्ट कोच नियुक्त किया गया। मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत में जबरदस्त आक्रामक बल्लेबाजी पर आधारित क्रिकेट सफल रहा पर हाल के दिनों में टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है और वह पिछले नौ टेस्ट मैचों में से सात हार गयी।

बीसीसीआई चयन समिति में हो सकता है बदलाव, अगरकर को हटाये जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इससे चयन समिति और प्रबंधन भी बचे नहीं हैं। यहां तक कि मुख्य चयनकर्ता के पद से अजीत अगरकर को हटाये जाने की संभावनाएं भी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य चयनकर्ता अगरकर का कार्यकाल अगले महीने सितंबर, समाप्त हो रहा है और उसे अगले साल तक बढ़ाये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे ये सवाल उठता है कि अगरकर के बाद इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को कौन संभालेगा। अब तक जो नाम इसके लिए उभरकर सामने आया है। वह है पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण का। अगरकर ने जुलाई 2023 में मुख्य चयनकर्ता का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं जिसमें एशिया कप से लेकर चैम्पियंस ट्रॉफी और टी20 विश्वकप

की जीत शामिल है। इन सफलताओं के बावजूद, उनके कार्यकाल विस्तार की संभावना कम लग रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने उनके अनुबंध को पहले ही तीन महीने के लिए बढ़ाया था और 2027 विश्व कप तक विस्तार पर विचार कर रहा था। वहीं अब यह योजना मुश्किल में पड़ती दिख रही है। यह दिखाता है कि बोर्ड बड़े फैसलों की तैयारी में है, जो भविष्य की रणनीतियों से जुड़े हो सकते हैं।

गौरतलब है कि लक्ष्मण का नाम मुख्य चयनकर्ता के तौर पर उभरना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वह लंबे समय से भारतीय क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। एनसीए प्रमुख के रूप में, लक्ष्मण ने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें भारतीय घरेलू क्रिकेट सर्किट और खिलाड़ियों के विस्तृत पूल की गहरी समझ है, जो एक मुख्य चयनकर्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण गुण हैं। हाल ही में, उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका सफलतापूर्वक संभाली थी, और इससे पहले भी जब मुख्य कोचिंग स्टाफ को आराम दिया गया था, तब लक्ष्मण ने ही टीम की कमान संभाली थी। यह अनुभव उन्हें एक मजबूत प्रशासनिक और नेतृत्व क्षमता वाला उम्मीदवार बनाता है।

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन , श्रीलंका के पास अच्छा अवसर : चोपड़ा

मुम्बई ।पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है ।उसको देख्ते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है ।वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है । चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेत रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है । वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है ।भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी ।वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं ।वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है ।चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है ।उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2–0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा ।अगर श्रीलंका भारत को 2–0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा ।तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी ।इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्लूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है ।वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है ।उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2–0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे ।हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1–1 से ड्रॉ होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा ।ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा ।

राष्ट्रमण्डल खेलों से गायब हुआ पाकिस्तानी मुक्केबाज

ग्लास्गो ।ग्लास्गो राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान का एक मुक्केबाज कुदरातुल्लाह गायब हो गया है ।इस मुक्केबाज के गायब होने से पाक मुक्केबाजी महासंघ की मुश्किलें बढ़ गयी हैं ।ये

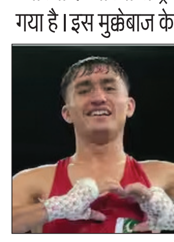

पहला मामला नहीं है जब कोई पाक खिलाड़ी गायब हुआ हो ।इससे पहले भी कई बार ऐसे वाकये होते रहे हैं ।इसी को लेकर पाकिस्तान ओलंपिक संघ का कहना है कि राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मुकाबले में उतरने के बाद कुदरातुल्लाह टीम होटल से गायब हो गया था जिसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं चला है ।हैरानी की बात ये है कि उसका पासपोर्ट टीम मैनेजर के पास ही है ।इसके बाद भी वह गायब हो गया ।वहीं इससे पहले भी एक बार राष्ट्रमंडल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज सुलेमान बलोच और नजीरूल्लाह खान बर्मिंघम में गायब हो गए थे जबकि पासपोर्ट दल प्रमुख के पास थे ।पाक ओलंपिक संघ के एक अधिकारी के अनुसार वापसी की तैयार के लिए अहम कुदरातुल्लाह के कमरे में गये थे पर मुक्केबाज वहां नहीं था जबकि उसका सामान और निजी चीजें कमरे में ही थीं ।इसके बाद हमने एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले उन्हें खोजने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं मिले ।

अपनी सरकारी नौकरी की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे ईशान

पटना ।क्रिकेटर ईशान किशन खेल से ब्रेक मिलते ही अपनी नौकरी में पहुंच गये ।ईशान रिजर्व बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर हैं ।

ईशान पटना स्थित रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में पहुंचे ।सोशल मीडिया पर वायरल हुई इन तस्वीरों में ईशान आई कार्ड में दिखे ।वह बैंक कर्मचारियों के साथ सेल्फी लेते नजर नजर आ रहे थे ।ईशान को साल 2017 में केवल 18 साल की उम्र में स्पोर्ट्स कोटे के तहत यह पद मिला था ।ईशान ने आरबीआई की ओर से डीवाई पाटिल क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया है। अपने व्यस्त क्रिकेटिंग कार्यक्रम के बाद भी जब भी उन्हें क्रिकेट से समय मिलता है, वह अपनी ड्यूटी निभाने के लिए बैंक पहुंच जाते हैं ।ईशान के बैंक पहुंचते ही वहां का माहौल किसी उत्सव जैसा हो जाता है। बैंक कर्मचारियों में उनके साथ एक तस्वीर लेने की होड़ लग गई। कर्मचारियों के लिए यह एक विशेष अवसर था, क्योंकि व्यस्तताओं के कारण ईशान कभी–कभी ही कार्यालय जा पाते हैं ।इसलिए हर कोई अवसर का लाभ उठाते हुए उनके साथ सेल्फी लेना चाहता था ।ईशान ने भी सहजता से स्टाफ के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, जिससे दिन भर बैंक में उत्साह का माहौल बना रहा। उनकी मौजूदगी ने कार्यस्थल पर एक अलग ही ऊर्जा भर दी ।इससे साफ है कि ईशान खेल के साथ ही अपनी नौकरी के प्रति भी गंभीर हैं ।

संयोग से गोलकीपर बने मोहित हॉकी विश्व कप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयोग से गोलकीपर बने कर्नाटक के 24 वर्षीय मोहित एचएस का भारत के लिए हॉकी विश्व कप खेलने का सपना आखिरकार पूरा होने जा रहा है। वह 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा के साथ मोहित भारतीय टीम के दो गोलकीपरों में शामिल हैं।

यह उपलब्धि उनके अब तक के प्रेरणादायक सफर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोहित का अनुभव करकेरा जितना नहीं है, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। खासकर एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में उनके दमदार खेल ने चयनकर्ताओं का भरोसा और मजबूत किया। दिलचस्प बात यह है कि मोहित का गोलकीपर बनने का सफर पूरी तरह संयोग से शुरू हुआ था।

स्कूल की हॉकी टीम में गोलकीपर नहीं होने के कारण उनके कोच ने उनकी लंबाई को देखते हुए उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना। यह अप्रत्याशित मौका धीरे-धीरे उनके सफल करियर की नींव बन गया। इसके बाद उन्होंने जूनियर विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया और फिर सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाते हुए लगातार आगे बढ़ते गए। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में मोहित ने कहा, 'मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं।'

मोहित ने भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमने श्रीजेश से बहुत कुछ सीखा है। लेकिन उनके जैसा प्रदर्शन करने का दबाव हम पर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। हम मैदान पर अपना शत-प्रतिशत देंगे और फिर परिणाम जो होगा, उसे स्वीकार करेंगे।'

भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने कहा, 'नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारियां सही दिशा में हैं।'

मोहित के लिए विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य मैदान पर हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना और भारत को फिर से विश्व चैंपियन बनाने में योगदान देना है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा पैमाना यही है कि जब भी मैं

मैदान पर उतरूं, देश के लिए अपना सौ प्रतिशत दूं। मेरे सीनियर करियर में इससे बड़ा अवसर अब तक नहीं मिला है। मैं भारत को एक बार फिर विश्व चैंपियन बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।' गौरतलब है कि भारत ने एफआईएच हॉकी विश्व कप का अपना एकमात्र स्वर्ण पदक वर्ष 1975 में कुआलालंपुर में पाकिस्तान को हराकर जीता था।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे

सिनसिनाटी ।दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन से हट गए ।यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है ।स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे ।यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है ।टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं ।हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं ।' अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था ।इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं ।हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे ।यूएस ओपन में उनकी वापसी की उम्मीदें हालांकि बरकरार है ।वह यूएस ओपन के मौजूदा चैंपियन भी है ।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स ।अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है ।एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है ।इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है ।एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया ।गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था ।उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की ।यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं ।हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा ।अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया ।यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था ।इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया ।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल , पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं ।इसी कारण वह बार–बार टीम से अंदर–बाहर होते रहे हैं ।ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं ।इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं ।ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं ।एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यॉर्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है ।बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है ।क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता–जागता उदाहरण हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं ।यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है ।2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं ।ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे ? साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है ।

पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी:नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से करीब एक साल तक जूझने के बाद भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि पिछले 10 महीने उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और उन्होंने ऐसे दौर का सामना किया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर अपने पदकों के संग्रह में एक और उपलब्धि जोड़ी। वह मुख्य रूप से जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे थे। चोट के कारण नीरज का सत्र देर से शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने ग्लास्गो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल कर ली।

नीरज ने इंस्टाग्राम पर राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी।' उन्होंने कहा, 'कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना जब मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था। मैं हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।'

नीरज ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन चोट के कारण 2022 के सत्र में हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में खराब मौसम के कारण मुश्किल परिस्थितियों के बीच नीरज को श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराजे 89.75 मीटर के थ्रो के साथ पीछे छोड़ा। पथिराजे मौजूदा सत्र में सबसे अधिक दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ी है।

पूर्व विश्व चैंपियन नीरज ने अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल के प्रति आभार जताते हुए कहा, 'इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी का विशेष रूप से धन्यवाद किया। नीरज ने कहा, 'ईशान जी चोट से उबरने के दौरान हर कदम पर मेरे साथ रहे और मुझे फिर से वह करने में मदद की, जिसे मैं सबसे ज्यादा पसंद करता हूं। मेरे कोच जय चौधरी उस समय से मेरे साथ हैं, जब मैंने पहली बार भाला उठाया था।' उन्होंने कहा, 'मेरा परिवार हर परिस्थिति में मेरे साथ मजबूती से खड़ा रहा। सत्र अभी जारी है और मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा हूं।'

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'
करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'
करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाड़ों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म में करूंगा।' मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।
मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थीं। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज के बाद शहनाज गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों में गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ तारीफ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।
महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'
महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

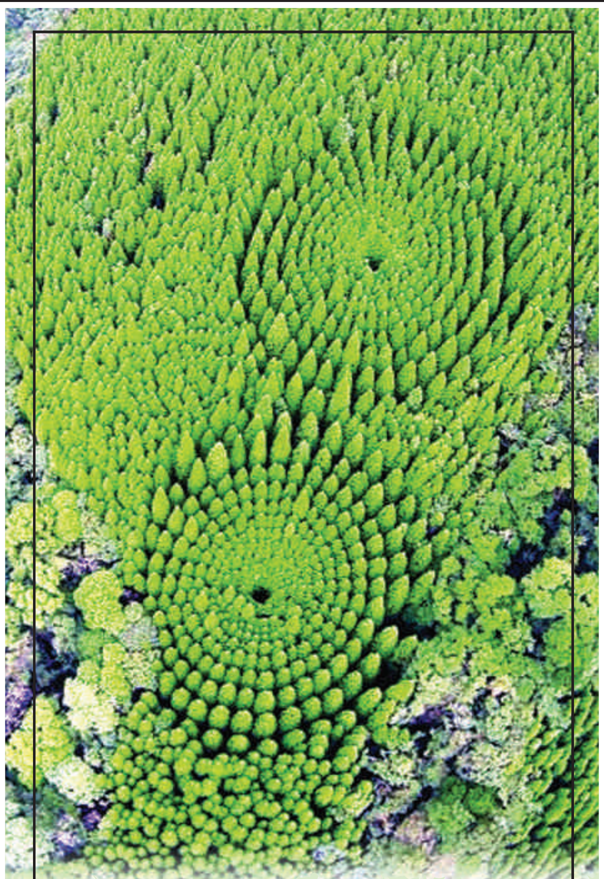

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते.

कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं.

बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'